हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 232, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 8 फरवरी, 2022 दिन मंगलवार | गाजीपुर/वाराणसी

कांग्रेस रही डबल ब्रेक वाली सरकार : प्रधानमंत्री

पीएम मोदी पहाड़ी टोपी में वर्चुअली जुड़े हरिद्वार की जनता से

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहाड़ी टोपी में वर्चुअली हरिद्वार की जनता से जुड़े। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत सीडीएस स्व. जनरल बिपिन रावत को श्रद्धांजलि देकर की। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया और डबल ब्रेक वाली सरकार करार दिया। पीएम मोदी ने कहा कि पिछली सरकारों ने संसाधनों को लूटा, हमारे लिए उत्तराखंड देवभूमि है। ये उत्तराखंड को अलग राज्य ही नहीं बनने देना चाहते थे। पीएम ने ये भी कहा कि इन्होंने उत्तराखंड को एटीएम समझा, इन्हें जनता मौका नहीं देने वाली है। उत्तराखंड में फिर डबल इंजन की सरकार बनेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की डबल ब्रेक वाली सरकार ने अपने समय में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन के लिए केवल चार करोड़ रुपए ही जारी किए। 2014 में जब केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई और उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने का मौका मिला तो उन्होंने इस काम को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, लेकिन राज्य की कांग्रेस सरकार ने उसमें हमेशा अड़ंगा लगाया। 2017 में जब केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार, यानी डबल इंजन की सरकार आई तो विकास के काम में तेजी आई।

कांग्रेस ने किया है पाप- मोदी- प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने उत्तराखंड और उत्तराखंड के लोगों के सपनों को पूरा नहीं कर पाप किया है, कांग्रेस ने उत्तराखंड के विकास के साथ पाप किया है और देश की सुरक्षा के साथ पाप किया है। उत्तराखंड इन्हें कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने आम जनता से भारतीय जनता पार्टी को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि 14 फरवरी को वोट देते समय वह कांग्रेस को और कांग्रेस के गुनाहों को याद रखें, भारतीय जनता पार्टी को वोट देकर राष्ट्र के

सम्मान राष्ट्र के विकास और उत्तराखंड के विकास को आगे बढ़ाने का काम करें।

केंद्र ने इस बार के बजट में की पर्वतमाला परियोजना की घोषणा- पीएम मोदी ने कहा कि इस बार के बजट में केंद्र सरकार ने उत्तराखंड जैसे राज्यों के लिए 'पर्वतमाला परियोजना' की घोषणा की है। इससे पहाड़ों पर विकास के नए युग का आरंभ होने जा रहा है। आने वाले समय में यहां पर्यटन बढ़ेगा, रोजगार बढ़ेगा और युवा अपने सपनों को पूरा कर सकेंगे।

पीएम ने दिया ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का उदाहरण- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास पर लगे हुए ब्रेक कैसे हटते हैं, विकास कैसे आगे बढ़ता है यह इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। उन्होंने कहा कि विकास को और उत्तराखंड को आगे बढ़ाना है तो डबल इंजन की सरकार को फिर लाना होगा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हरिद्वार के नाम में ही हरि है यानी हरि का द्वार और जहां हरि यानी विष्णु हरि है, वहीं लक्ष्मी जी भी हैं। यानी समृद्धि, खुशहाली और विकास। हमें उत्तराखंड की यही पहचान बनानी है। उन्होंने कहा कि ब्रेक लगाने वाले इस बार फिर घात लगाकर मौके के इंतजार में बैठे हैं, लेकिन हमें उन्हें मौका नहीं देना है। क्योंकि उत्तराखंड को गति चाहिए। उत्तराखंड को प्रगति चाहिए, उत्तराखंड को खुशहाली चाहिए, उत्तराखंड को विकास चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के विकास वायदों पर सीधा हमला करते हुए कहा कि जिस पार्टी की सोच विकासवादी ना हो वह सत्ता में आने पर क्या करेगी इसे पूरा देश जानता है और खासकर उत्तराखंड जानता है। ऐसे लोगों को उत्तराखंड माफ नहीं करेगा। 14 फरवरी को जनता कांग्रेस के गुनाहों को याद करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत धर्मनगरी हरिद्वार के गौरव की बात कर शुरू की। इसके साथ ही उन्होंने बिपिन रावत समेत सभी शहीद वीरों को नमन किया।

अरुणाचलः सेना के सात जवान हिमस्खलन की चपेट में, तलाशी अभियान जारी

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाके में हुए हिमस्खलन में सेना के सात जवान चपेट में आ गए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने दिल्ली में बताया कि उनकी तलाश व बचाव का अभियान जारी है। हिमस्खलन की यह घटना

राज्य के कामेंग सेक्टर के ऊंचाई वाले इलाके में हुई। लापता जवान रविवार को गश्त कर रहे एक सैन्य दल का हिस्सा थे। तभी हिमस्खलन होने से वे उसकी चपेट में आ गए। एक सूत्र ने बताया कि जवानों की तलाश व बचाव का काम जारी है। विशेषज्ञों की टीम को विमान से मौके पर भेजा गया है, ताकि बचाव कार्य में उनकी सेवाएं ली जा सकें। इलाके में मौसम खराब है और पिछले कुछ दिनों से लगातार बर्फबारी हो रही है, इसलिए बचाव कार्य पर भी असर पड़ सकता है।

ओवैसी के कार्यक्रम की नहीं थी जानकारी, मामले की जांच जारी : शाह

नई दिल्ली। हाल ही में आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर हुआ हमला गरमाया हुई है। औवेसी पर हमले की गूंज संसद में भी सुनाई दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ओवैसी पर हमले को लेकर राज्यसभा में बयान दिया। अमित शाह ने सोमवार शाम लोकसभा में भी ओवैसी पर हमले को लेकर बयान देंगे। शाह ने इस हमले को लेकर सदन को पूरी जानकारी दी। शाह ने बताया कि दो अज्ञात लोगों ने असदुद्दीन ओवैसी के काफिले पर फायरिंग की थी। ओवैसी अपनी कार से सुरक्षित बाहर आ गए थे, लेकिन उनकी कार के निचले हिस्से पर गोली के 3 निशान थे। शाह ने कहा कि इस घटना को तीन गवाहों ने देखा था। प्राथमिकी दर्ज की गई है। अमित शाह ने सदन को बताया कि त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, उनके पास से दो अनधिकृत पिस्तौल और एक आल्टो कार बरामद की गई। फोरेंसिक टीम कार और घटनास्थल की बारीकी से जांच कर रही है और साक्ष्य जुटा रही है। अमित शाह ने बताया कि ओवैसी का हापुड़ जिले में कोई पूर्व निर्धारित कार्यक्रम नहीं था। साथ ही उनकी रैली की कोई सूचना जिला

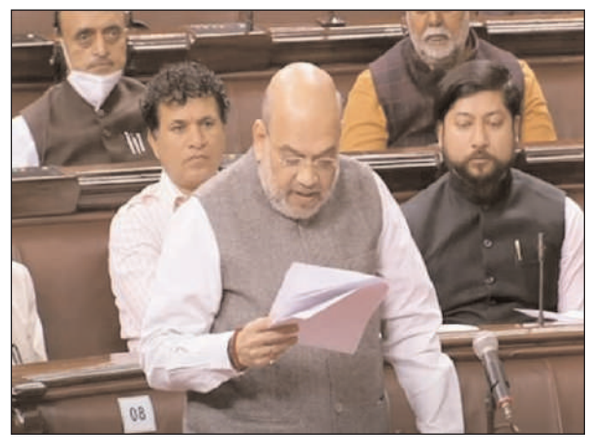

नियंत्रण कक्ष को पहले नहीं भेजी गई थी। घटना के बाद वे सुरक्षित दिल्ली पहुंचे। अमित शाह ने ओवैसी से जेड कैटेगरी की सुरक्षा लेने का अनुरोध किया। शाह ने कहा कि ओवैसी पर खतरे का फिर से आकलन किया गया है और उन्हें एक बुलेटप्रूफ वाहन और जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है, लेकिन मौखिक जानकारी के अनुसार उन्होंने इसे लेने से इनकार कर दिया है। मैं उनसे केंद्र सरकार द्वारा दी गई सुरक्षा को स्वीकार करने का अनुरोध करता हूं। दरअसल, असदुद्दीन ओवैसी की कार पर तीन जनवरी की शाम पिलखुवा के एनएच-9 स्थित छिजारसी टोल प्लाजा पर दो हमलावरों ने पांच राउंड फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि किसी को गोली नहीं लगी। वारदात के बाद ओवैसी दूसरी कार में सवार होकर दिल्ली के लिए रवाना हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने एक हमलावर को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, एक अन्य को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने हमले में इस्तेमाल किए गए हथियार और कार को बरामद किया है। उधर, इस हमले के बाद केंद्र सरकार ने ओवैसी को जेड कैटेगरी की सुरक्षा दी थी, हालांकि ओवैसी ने इसे लेने से इनकार कर दिया। ओवैसी ने कहा कि मैं जेड नहीं ए श्रेणी में आम इंसान की तरह रहना चाहता हूं। उन्होंने ये भी कहा था कि गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखकर वह दिल्ली में अपने लिए बुलेट प्रूफ गाड़ी की मांग करेंगे।

राजस्थानः भारत-पाक सीमा से 1200 मीटर दूर 35 करोड़ की हेरोइन बरामद

बाड़मेर। सीमा पार से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रही है। तस्करी के एक पुराने मामले की जांच

करने पहुंची पुलिस, एसओजी और बीएसएफ की टीम ने भारत-पाक सीमा के पास से 15 किलो हेरोइन बरामद की है। बाजार में इसकी कीमत 35 करोड़ रुपए से ज्यादा आंकी गई है। दोनों देशों की अंर्तराष्ट्रीय सीमा के पास तस्करी का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं।

जानकारी के अनुसार रविवार को एसओजी की टीम पुलिस और बीएसएफ के साथ भारत-पाक सीमा के पास पांचला गांव में तस्करी के पुराने मामले की जांच करने पहुंची थी। टीम के साथ तस्करी के आरोप में पहले से गिरफ्तार कमलप्रीत भी मौजूद था। यहां सीन रिक्रिएट करने के दौरान झाड़ियों में छिपा कर रखी गई 15 किलो हेरोइन की खेप बरामद की गई। टीम को जहां हेरोइन की खेप मिली वह जगह दोनों देशों की सीमा से 1200 मीटर दूर बताई जा रही है। एसओजी ने इस संबंध में तस्कर कमलप्रीत से पूछताछ शुरू कर दी है।

सात जुलाई को पकड़ी गई थी 22 किलो हेरोइन- बाड़मेर में पिछले साल सात जुलाई को भारत-पाक बॉर्डर पर एसओजी की टीम ने 22 किलो हेरोइन पकड़ी थी। इस दौरान तस्कर देरावर सिंह समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। एसओजी ने 10 जुलाई को इस इलाके में बाइक से रैकी करने आए पंजाब के तस्कर कमलजीत को भी गिरफ्तार किया था। इसी मामले की जांच करने के लिए एसओजी की टीम मौके पर पहुंची थी।

आंध्र प्रदेश में कार-ट्रक की भीषण टक्कर में नौ की मौत प्रधानमंत्री ने जताया दुख, किया मुआवजे का ऐलान

अनंतपुर। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। जिले के बुडागवी गांव में एक कार और लारी के बीच भीषण टक्कर हुई, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सड़क दुर्घटना अनंतपुरमू-बेल्लारी राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटलापल्ली इलाके में हुई। मरने वाले लोगों में 6 महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। इस सड़क हादसे पर पीएमओ की तरफ से एक ट्वीट कर बताया गया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अनंतपुर जिले में हुए दर्दनाक हादसे में लोगों की मौत से आहत हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष की ओर से दो-दो लाख मृतक के परिजनों को दिए जाने की घोषणा की है। अनंतपुरम जिले के बुडागवी गांव में हुई भयानक सड़क दुर्घटना में नौ लोग अपनी जान गवा बैठें। पुलिस ने बताया है कि मृतकों में छह महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। सड़क दुर्घटना में मारे गए सभी लोग रिश्तेदार थे, जो SUV कार में सवार होकर रविवार को कर्नाटक के बेल्लारी से अपने पैतृक गांव उरवाकोंडा लौट की ओर लौट रहे थे। सामने आते काल से बेखबर कार में सवार लोगों के सामने अचानक एक तेज रफ्तार वाली लारी टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि लारी सीधे एसयूवी कार में घुस गई। सड़क दुर्घटना की जानकारी देते हुए उरवाकोंडा पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर वेंकट स्वामी ने कहा कि इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है। उप निरीक्षक वेंकट स्वामी के अनुसार, कार में चालक सहित कुल नौ यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि ट्रक गति बहुत ही तेज थी, जिसके चलते ड्राइवर के अपने नियंत्रण खोने के बाद इतनी भीषण टक्कर हुई।

बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार भाई-बहन को रौंदा युवती की मौत, मंदिर में लोग कर रहे थे इंतजार

प्रखर जौनपुर। जिले के मुस्तफाबाद बाजार में सोमवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवती की जान चली गई। यहां बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार भाई-बहन को सामने से टक्कर मार दी। इसके बाद ट्रक चालक सड़क पर गिरी युवती को रौंदते हुए भाग गया। घटना में युवती की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक चला रहा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया।

दोनों लोग मंदिर जा रहे थे। जहां युवती की शादी के बाबत लड़के पक्ष के लोग उसे देखने के लिए पहुंचे थे। मंदिर में युवती की जगह उसकी मौत की खबर पहुंची तो परिजनों में कोहराम मच गया। इधर, पुलिस ने आरोपी चालक और ट्रक को कब्जे में ले लिया।

होनी को कुछ और ही था मंजूर- मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के मतरी गांव निवासी प्रमोद पाल अपनी बहन आराधना पाल (20) को शादी के सिलसिले में सुजानगंज के गौरी शंकर मंदिर ले जा रहा था।

आराधना पाल को देखने के लिए लड़के पक्ष के लोग मंदिर पहुंचे हुए थे। लेकिन, होनी को कुछ और ही मंजूर था।

भाई-बहन बाइक से सुबह करीब साढ़े दस बजे मुस्तफाबाद बाजार में पहुंचे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक लेकर प्रमोद गिर पड़ा, जबकि आराधना ट्रक के चक्के के नीचे आ गई। मौके पर जुटे लोगों ने घायलों को आननफानन मछलीशहर स्थित अस्पताल पहुंचाया जहां आराधना को मृत घोषित कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मृतका के चाचा कैलाश नाथ की तहरीर पर कोतवाली मछली शहर में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कोतवाल अवनीश राय ने बताया कि ट्रक और उसके चालक श्रीकांत केवट पुत्र नर्मदा प्रसाद केवट निवासी डीह थाना सुहागी जिला रीवां मध्य प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कर्नाटक : हिजाब विवाद के बीच अब भगवा स्टोल पहनकर कैंपस पहुंचे छात्र, कक्षाएं स्थगित

बेंगलुरू। कर्नाटक में एक बार फिर कालेज में कपड़ों को लेकर छात्र परेशान हुए हैं। कई दिनों से चल रहे हिजाब विवाद के बाद अब एक बार फिर भगवा स्टोल का मामला सामने आया है। कर्नाटक के विजयपुरा के शांतेश्वर एजुकेशन ट्रस्ट में कुछ छात्रों के भगवा स्टोल पहनकर कैंपस में पहुंचने के बाद आज कक्षाएं स्थगित कर दी गईं। बता दें कि कर्नाटक में पहले ही छात्रों का हिजाब विवाद चल रहा है जो उडुपी जिले के कुंडापुर में स्कूल और कालेजों में हिजाब पहनने पर रोक से पैदा हुआ था। बता दें कि कुछ दिन पहले भी एक कालेज में लड़कियों के हिजाब पहनने के विरोध में लगभग 100 हिंदू लड़के कक्षा में भगवा शाल ओढ़कर पहुंचे थे। गौरतलब है कि उडुपी जिले के सरकारी कालेज में छात्राओं को हिजाब पहनने पर कक्षाओं में प्रवेश न करने देने से इस विवाद की शुरूआत हुई थी। इसके बाद छात्राओं ने इस फैसले को मानने से इनकार कर दिया था और हाईकोर्ट में इसके खिलाफ एक याचिका भी दायर कर दी है जिसपर कल सुनवाई होनी है।

गौरतलब है कि हिजाब विवाद के बीच पुलिस ने आज ही उडुपी जिले के कुंडापुर में सरकारी पीयू

कालेज के पास 'घातक हथियार' ले जाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार मामले में तीन अन्य लोग पुलिस से बचकर भाग निकले थे। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अब्दुल मजीद और रजब के रूप में की गई है। दोनों आरोपी कुंडापुर के पास गांव गंगोली के रहने वाले हैं, इन दोनों पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

राहुल अनजान, उन्हें नहीं पता नेहरू के समय चीन ने कब्जाई शक्सगाम घाटीः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया 'चीन-पाकिस्तान' वाली टिप्पणी के लिए उन पर कटाक्ष किया और कहा कि विपक्षी नेता सरकार की निंदा करने के बीजिंग के एजेंडे पर विश्वास करते हैं। राजनाथ सिंह ने चीन-पाकिस्तान टिप्पणी पर राहुल गांधी की खिंचाई करते हुए कहा कि राहुल गांधी इस बात से अनजान हैं कि पाकिस्तान ने नेहरू के शासनकाल के दौरान शक्सगाम घाटी को चीन को सौंप दिया था। राजनाथ सिंह ने कहा, "राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण चीन-पाकिस्तान एक साथ आए हैं ... वह इस बात से अनजान हैं कि पाकिस्तान ने नेहरू के शासनकाल के दौरान शक्सगाम घाटी को चीन को सौंप दिया था। मुझे लगता है कि राहुल गांधी इस बात से अनजान हैं कि पाकिस्तान ने नेहरू के शासनकाल के दौरान शक्सगाम घाटी को चीन को सौंप दिया था।" शक्सगाम घाटी सियाचिन ग्लेशियर के उत्तर-पश्चिम में स्थित है। ये खूबसूरत घाटी बाल्टिस्तान के उत्तर व गिलगित के पूर्व और चाइना के जिनजियाँग के दक्षिण में है लेकिन यहां भारतीय नहीं जा सकते। काराकोरम रेंज और कुन लून पर्वत श्रृंखला के बीच शक्सगाम दुनिया के कुछ सबसे ऊँचे पहाड़ों से घिरी हुई है। वैसे तो भारत आधिकारिक रूप से इसे अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है, लेकिन 1963 से ये इलाका चीन के प्रशासन में है। इससे पहले

पाकिस्तान इसे कश्मीर का हिस्सा होने का दावा करता था। इससे पहले उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में चुनाव प्रचार करते हुए, राजनाथ सिंह ने संसद में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को निशाना बनाते हुए गांधी के मजाक का जिक्र किया और राहुल गांधी पर अपने ही देश में चीनी मीडिया पर विश्वास करने का आरोप लगाया। गलवान घाटी संघर्ष के दौरान चीनी पक्ष द्वारा हताहतों की संख्या पर बोलते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा, भारत सरकार पर राहुल गांधी के संदेह से पता चलता है कि वह चीनी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट पर विश्वास करते थे। सिंह ने कहा, "इसका मतलब है कि आप (राहुल गांधी) जो भी चीनी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स कहता है, उसे स्वीकार करेंगे।" रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी के बयान की निंदा की और भारतीय जवानों की सराहना की जिन्होंने गलवान झड़प के दौरान एलएसी सीमा पर चीन की पीएलए से लड़ते हुए परम साहस और वीरता का परिचय दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोगों से भाजपा के पक्ष में वोट डालने की अपील करते हुए कहा, "अगर नया भारत बनाना है तो नए उत्तर प्रदेश की भी जरूरत है।" शाहजहांपुर निर्वाचन क्षेत्र के कटरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने लोगों से समय की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपना समर्थन देने की अपील की और "मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का समर्थन करके उत्तर प्रदेश का भाग्य" बदलने के लिए अगले पांच वर्षों तक सत्ता में बनाए रखने की अपील की।

कांग्रेस ने गरीबों से किए रोटी, कपड़ा व मकान के वादों को पूरा नहीं किया: भाजपा सांसद

नई दिल्ली। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान भाजपा सांसद सीमा द्विवेदी ने कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला। सीमा द्विवेदी ने कांग्रेस पर गरीबों से किए गए रोटी, कपड़ा और मकान के वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्यसभा में बोलते हुए कहा कि, नरेन्द्र मोदी सरकार ने गरीबों से किए गए अपने वादों को न केवल पूरा किया है, बल्कि सबका साथ सबका विश्वास की भावना से काम कर रही है।

राज्यसभा में भाजपा सांसद सीमा द्विवेदी ने अपने बचपन के एक किस्से का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि, जब मैं बहुत छोटी थी, तो देश में कांग्रेस का शासन था। कांग्रेस के नेता अपने वाहनों पर आते थे, तो उनका नारा 'रोटी, कपड़ा और मकान' था। लेकिन आज तक कांग्रेस इन नारों को पूरा नहीं कर पाई। जिसे अब हमारी सरकार ने इन मुद्दों का समाधान किया है। द्विवेदी ने कहा, कांग्रेस के दौर में भ्रष्टाचार हुआ था। आज हमारी सरकार जिस तरह से काम कर रही है, एक भी व्यक्ति हमारे मंत्रियों पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता है। मौजूदा सरकार में भ्रष्टाचार नहीं है। सीमा द्विवेदी ने सरकार की योजना पीएम-किसान का उदाहरण देते हुए बताया कि, पीएम-किसान योजना के तहत प्रति लाभार्थी लगभग 6,000 रुपये सीधे किसानों के बैंक खातों में जाते हैं, जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि, प्रत्येक 100 रुपये खर्च करने के बाद केवल 15 रुपये ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी के शासन को छोड़कर, पिछली सरकारों ने गरीबों का खून चूसा था, और उनके कल्याण के लिए काम नहीं किया था। इसके विपरीत मोदी सरकार इतनी अच्छी तरह से प्रगति कर रही है कि कोविड-19 संकट के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद एक भी क्षेत्र पीछे नहीं रहा है।

चिंतन मनन

चुनावी पाबंदियां अनलॉक

देश में कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट के बीच चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को फिजिकल रैली करने की परमिशन दे दी है। रैली के लिए ग्राउंड और हॉल का प्रयोग किया जा सकता है। वहीं रैली में आए नेता और कार्यकताओं के लिए कोरोना गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा। आयोग ने पत्र जारी करते हुए कहा कि रैली के दौरान मैदान में उसकी कुल क्षमता की 30 फीसदी भीड़ ही जुटाई जा सकती है। वहीं इंडोर हॉल में 50 फीसदी उपस्थिति के साथ सभा करने की अनुमति है। पदयात्रा, बाइक रैली और जुलूस निकालने पर पहले की तरह प्रतिबंध जारी रहेगा। कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट के बीच छोटी पार्टियां लगातार रैली करने की अनुमति मांग रही थी। इन पार्टियों का तर्क था कि संसाधन नहीं होने की वजह से वर्चुअल रैली करने में कठिनाई हो रही है और इस वजह से हम जनता तक अपनी बात नहीं पहुंचा पा रहे। वैसे आयोग ने प्रतिबंधों की अवधि 11 फरवरी तक और बढ़ा दी थीं, मगर यह मियाद खत्म होने से पहले उसने नए आदेश जारी कर दिए। नया आदेश पहले चरण के प्रचार खत्म होने से दो दिन पहले आया है। लिहाजा दूसरे चरण के मतदान वाले राज्यों या सीटों पर प्रत्याशियों को राहत मिलेगी। हालांकि पहले से चले आ रहे प्रतिबंधों के बावजूद जिस तरह से राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग की नजरों में धूल झोंकने का भरपूर प्रयास किया, वे ताजा फैसले के बाद नहीं करेंगे, इसका दावा करना मुश्किल है। यों भी राजनेताओं को भीड़ देख कर ही उत्साह बनता है, इसलिए जिस समय दस लोगों को साथ लेकर घर-घर जाकर प्रचार करने की इजाजत थी, उस समय भी सैकड़ों लोगों को साथ लेकर चल रहे थे। उसमें मुंह ढंकने और उचित दूरी का पालन करने की जरूरत शायद कोई नहीं समझ रहा था। दरअसल, निर्वाचन आयोग की यह शर्त कई नेताओं के साथ व्यावहारिक रूप में लागू करना संभव नहीं हो पा रहा था। राजनीतिक दलों के बड़े चेहरों के सुरक्षा इंतजाम में ही इतने लोग लगे रहते हैं कि उन्हें दस की संख्या तक सीमित रख पाना संभव नहीं होता। इसलिए मांग की जा रही थी कि प्रशासन को कुछ ऐसा इंतजाम करें, जिससे भीड़भाड़ को काबू में रखना आसान हो सके। शायद इसे भी ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग ने कुछ ढिलाई दी है। यों कोरोना के मामले अब पहले से कम दर्ज हो रहे हैं, पर चिंता की बात है कि इससे होने वाली मौतों का आंकड़ा निरंतर बढ़ रहा है, इसलिए इसे लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही खतरे से खाली नहीं मानी जा सकती। ऐसे में जिस तरह राजनीतिक दल प्रचार में नियम-कायदों को ताक पर रखते देखे जा रहे हैं, वे नए नियमों के बाद कुछ और छूट लेने का प्रयास करेंगे। मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती है, राजनीतिक दलों में प्रचार की होड़ बढ़ जाती है। इसलिए वे निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों की धज्जियां उड़ाने से शायद ही बाज आएं। मगर निर्वाचन आयोग से अपेक्षा है कि जब उसने नियम बनाए हैं, तो उन पर अमल भी कड़ाई से सुनिश्चित कराए। वरना उसकी ढिलाई पर पहले ही अंगुलियां उठती रही हैं। इस बार मामला बड़ी आबादी की सेहत का है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए। देश में कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट के बीच चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को फिजिकल रैली करने की परमिशन दे दी है। रैली के लिए ग्राउंड और हॉल का प्रयोग किया जा सकता है। वहीं रैली में आए नेता और कार्यकताओं के लिए कोरोना गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा। आयोग ने पत्र जारी करते हुए कहा कि रैली के दौरान मैदान में उसकी कुल क्षमता की 30 फीसदी भीड़ ही जुटाई जा सकती है। वहीं इंडोर हॉल में 50 फीसदी उपस्थिति के साथ सभा करने की अनुमति है। पदयात्रा, बाइक रैली और जुलूस निकालने पर पहले की तरह प्रतिबंध जारी रहेगा। कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट के बीच छोटी पार्टियां लगातार रैली करने की अनुमति मांग रही थी। इन पार्टियों का तर्क था कि संसाधन नहीं होने की वजह से वर्चुअल रैली करने में कठिनाई हो रही है और इस वजह से हम जनता तक अपनी बात नहीं पहुंचा पा रहे। वैसे आयोग ने प्रतिबंधों की अवधि 11 फरवरी तक और बढ़ा दी थीं, मगर यह मियाद खत्म होने से पहले उसने नए आदेश जारी कर दिए।

आखिर दिए उतार !

सीएम वाला चेहरा ।
आखिर दिए उतार ।।
कहीं पर मायूसी ।
कहीं है बहार ।।
एक तरफ है झटका ।
एक तरफ उपहार ।।
हो गया है शायद ।
नया चमत्कार ।।
समय बीतता जाएगा ।
नए-नए ऐलान ।।
किसी को रूखा-सूखा ।
किसी को पकवान ।।
कुछ दिनों तक चलना ।
ऐसे कार्य विशेष ।।
जानती है जनता ।
क्या आगे है शेष ।।

-कृष्णेन्द्र राय

इक्कीस महीनें पहले चुनावी चिंता

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव अगले साल के अंत (नवम्बर 23) में होंगे अर्थात् विधानसभा चुनावों के लिए अभी इक्कीस महीनों का समय शेष है, किंतु मुख्यमंत्रित्व काल के करीब साढ़े पन्द्रह साल पूरे करने वाले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को अभी से अपनी अगली पारी की चिंता सताने लगी है... उन्होंने भाजपा विधायकों को बुलाकर कह दिया है कि अगले चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए वे राज्य के बजट हेतु यथाशीघ्र अपने क्षेत्र के जनहित कार्यों के सुझाव प्रस्तुत करें। शिवराज जी पूरे राज्य का राजनीतिक तानाबाना अभी से तैयार कर रहे है तथा पूरे राज्य के विभिन्न कार्ययोजनाओं की सूची बनाकर व प्राथमिकता तय कर कुछ परियोजनाएं इस वित्तीय बजट में तथा शेष अगले वित्तीय बजट में रखकर चुनाव पूर्व सभी जनहितैषी कार्ययोजनाएं पूरी करना चाहते है, जिससे कि अगले साल चुनाव के पूर्व ही वे प्रदेश के मतदाताओं को अपने पक्ष में प्रभावित कर सकें। मध्यप्रदेश का बजट अगले कुछ ही दिनों में विधानसभा में प्रस्तुत होने जा रहा है, जिसकी रूपरेखा की शासकीय स्तर पर शुरूआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने निर्धारित समयसीमा में अपने दल के विधायकों को अपने क्षेत्र के सुझाव प्रस्तुत करने को कहा है।

वैसे राजनीतिक तौर पर यह माना जा रहा है कि बजट से राजनीतिक लाभ लेने की सोच शिवराज जी की अपनी नही है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी केन्द्र के बजट को लेकर देश के पार्टी कार्यकताओं व जन प्रतिनिधियों को आम वोटर तक बजट का लाभ पहुंचाने की अपील की है। केन्द्र का बजट संसद में पिछले दिनों ही प्रस्तुत हुआ है, प्रधानमंत्री चाहते है कि केन्द्र व राज्यों के बजट में ह्यआत्मनिर्भर अर्थव्यवस्थाह्य को प्राथमिकता दी जाए, जिससे कि हमारी विदेश आधारित निर्भरता कम हो सके तथा देश की जनता लाभान्वित हो भाजपा को इसका श्रेय देकर अगले चुनावों में पार्टी का विशेष ध्यान रखें। प्रधानमंत्री जी ने पिछले दिनों देश के भाजपाशासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों तक अपना यही संदेश पहुंचाया है, जिसकी प्रतिच्छाया शिवराज सिंह जी की विधायकों के नाम अपील में दिखाई दी। इस तरह यदि अगले सभी बजट भाजपा के राजनीतिक

स्वार्थ सिद्ध करने वाले हो तो आश्चर्य की किया जाना चाहिये।

बजट पर फोकस करने के साथ ही मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने गरीबों को लाभन्वित करने वाली कार्य योजनाओं पर प्राथमिकता से काम करने की अपील की है। उदाहरण स्वरूप गरीबों के लिए चलाई जा रही आवास, स्वास्थ्य व रोजगार योजनाएं प्राथमिकता से चलाने की अपील की है। ग्रामीण आवास (प्लस) योजना के तहत तीस लाख नए हितग्राहियों को जोड़ने की योजना है। शिवराज जी ने अपने दल के विधायकों के साथ राज्य सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों को भी चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि वे पार्टी विधायकों के प्रस्तावों पर गंभीर चिंतन कर उन्हें अपने अंजाम तक पहुंचाये, शिकायत मिलने पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि भाजपा को पिछले विधानसभा चुनावों में मध्यप्रदेश में काफी कटु अनुभव प्राप्त हुआ था, जब भाजपा विधानसभा में बहुमत से दूर रह गई थी और कांग्रेस ने कमलनाथ जी के नेतृत्व में सरकार बना ली थी किंतु कांग्रेस अपना आंतरिक कलह संभाल नहीं पाई और राज्य के प्रभावी युवा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने दो दर्जन समर्थक विधायकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया और यहां शिवराज जी पुनः मुख्यमंत्री बन गए बाद में राज्यसभा में आकर सिंधिया जी भी केन्द्र में मंत्री बन गए। अतः इस ताजे पुराने कटु अनुभव को दृष्टिगत रखते हुए यहां भाजपा अभी से फूंक-फूंक कर अपने अगले कदम रख रही है और इसीलिए विधानसभा चुनावों के इक्कीस महीनें पहले चुनावी बुनावट शुरू कर दी गई है। इस प्रकार कुल मिलाकर कांग्रेस चाहे अभी भावी चुनावों को लेकर जागृत न हुई हो किंतु पिछले उन्नीस साल से राज्य पर सत्तासीन भाजपा न सिर्फ स्वयं जाग गई है बल्कि अपनों को भी जगा रही है।

हिजाब पर पाबंदी क्यों?

कर्नाटक की भाजपा सरकार ने अपने स्कूलों और कालेजों में हिजाब (शिरोवस्त्र) पहनने पर रोक लगा दी है। इसका सीधा असर मुस्लिम छात्राओं पर पड़ेगा। वे अपने सिर पर हिजाब लगाकर पढ़ने आती हैं। उनके अलावा हिंदू और ईसाई लड़कियां अपने सिर पर कुछ भी नहीं पहनतीं। कर्नाटक की सरकार का तर्क है कि उसने यह आदेश 1983 के अपने एक कर्नाटक शिक्षा कानून के तहत जारी किया है, जो कहता है कि छात्र-छात्राओं को वही वेशभूषा पहनकर आना होगा, जिसका प्रावधान सरकार या वह शिक्षा-संस्था करे। इस प्रावधान के विरुद्ध कुछ लोगों ने अदालत में याचिका भी लगा रखी है। सरकार का मानना है कि इस नियम से नागरिकों के मूल अधिकारों का उल्लंघन बिल्कुल नहीं होता। शिक्षा संस्थाओं में सारा वातावरण एकरुपतामय होना चाहिए। कक्षा में बैठनेवालों के बीच जाति, मजहब, ऊँच-नीच आदि का कोई भेद नहीं होना चाहिए। सबको एक-जैसे वातावरण में रहकर ही शिक्षा-ग्रहण करनी चाहिए। यह बात बहुत ही आदर्शमंडित है लेकिन जहां तक हिजाब का सवाल है, उसमें कोई आपत्तिजनक तत्व दिखाई नहीं पड़ता। मुस्लिम महिलाएं ही नहीं, हिंदू महिलाएं भी गांवों में अभी तक घूंघट करती हैं और शहरों में तो वे सिर पर पल्लू भी रखती हैं, जैसे मुसलमान सिर पर तुर्की टोपी और अन्य लोग गोल टोपी या पगड़ी पहनते हैं। लेकिन यह सब काम शिक्षण-संस्थाओं में होता है तो वह अलगाववाद का प्रतीक बन जाता है। जो लड़कियां हिजाब पहनती हैं, वे अलग से दिखाई पड़ती हैं कि वे मुसलमान हैं। वे अपने घर या बाजार में अन्यत्र हिजाब पहनें तो उसमें तो कोई बुराई नहीं है लेकिन शिक्षा-संस्थाओं में सबकी वेशभूषा एक-जैसी हो तो यह निश्चय ही बहुत अच्छा है। मैं जब इंदौर के क्रिश्चियन कॉलेज में पढ़ता था, मेरे खड़ाऊ पहनने पर प्राचार्य डेविड ने आपत्ति की तो मैं अपनी खड़ाऊ कालेज के बाहर उतारकर ही अंदर जाता था। इससे भी अलगाव एकदम खत्म नहीं होगा, क्योंकि अरबी-फारसी नामों में तो हर पल अलगाव का भाव होता ही है। मेरा निवेदन है कि भारत के मुसलमानों को सिर्फ वेशभूषा में ही नहीं ,अपने नामकरण और खान-पान में भी अरबों की नकल करना जरुरी नहीं है। यदि वे नाम, वेशभूषा, खान-पान आदि भी एकदम भारतीय ढंग का रखें तो उनके उत्तम मुसलमान होने में जरा भी शक किसी को नहीं होगा। मैंने इंडोनेशिया के मुसलमानों के नाम संस्कृत में देखे हैं। उसके राष्ट्रपति का सुकर्ण था और उनकी बेटी का नाम मेघावती है। अब तो भारत के ईसाइयों ने भी अपने नाम अंग्रेजों की नकल पर रखना बंद कर दिए हैं। हिंदी या तमिल या मलयालम में नाम होने से ईसाई होने का कोई विरोध कैसे हो सकता है? मैं तो भारत में मेरे मुसलमान और ईसाई मित्रों से कहता हूं कि यदि मांसाहार बंद कर दें तो बहुत-से हिंदुओं के लिए भी आप प्रेरणा-स्त्रोत बन जाएंगे। आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मुसलमान और ईसाई कहलाएंगे। बाइबिल और कुरान में कहां लिखा है कि यदि आप मांस नहीं खाएंगे और अपने नाम अरबी व अंग्रेजी में नहीं रखेंगे तो आप घटिया मुसलमान या घटिया ईसाई माने जाएंगे। लेकिन यह तभी होगा जबकि भारत के हिंदू लोग अपने मुसलमान और ईसाई भाइयों के लिए आदर और प्रेम का भाव रखें। मैं तो ऐसा भारत देखने के लिए तरस रहा हूं, जहां ज्यादातर विवाह संबंध अंतरजातीय और अंतरधार्मिक हों।

आखिर टूट ही गई लता मंगेशकर की जिंदगी की लड़ी !

मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 28 दिन भर्ती रहने के बाद भारत की स्वर कोकिला और भारत रत्न से सम्मानित लता मंगेशकर की जिंदगी की लड़ी आखिर टूट ही गई । लता मंगेशकर को 28 दिन पहले सांस की तकलीफ के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सब की दुआओं और प्रार्थनाओं के बावजूद लता मंगेशकर का स्वास्थ्य ठीक नही हो पाया और वे चल बसी। स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने मात्र 5 साल की उम्र में ही अपने पिता के मराठी संगीत नाट्य में कार्य किया था । सन 1942 में इनके पिता की मौत हो गई। इस दौरान ये मात्र 13 वर्ष की थीं। नवयुग चित्रपट फिल्म कंपनी के मालिक और इनके पिता के दोस्त मास्टर विनायक ने इनके परिवार को संभाला और लता मंगेशकर को एक सिंगर और अभिनेत्री बनाने में भरपूर मदद की।

लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर सन 1929 को मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ था। इनके पिता दीनानाथ मंगेशकर, प्रतिभाशाली शास्त्रीय गायक और थिएटर अभिनेता थे, और माँ शुधमती थी, जोकि माई के नाम से भी जानी जाती थी, इनके पाँच प्रतिभाशाली बच्चों में से लता मंगेशकर सबसे बड़ी है। लता मंगेशकर के अन्य भाई-बहनों के नामझ हृदयनाथ, आशा, ऊषा और मीना हैं; ये सभी सफलता की बुलन्दियों को छूने के साथ मराठी और हिंदी संगीत उद्योग में प्रतिष्ठित रहे हैं। लता मंगेशकर बहुत कम उम्र से ही अपने पिता के गायन और के.एल. सहगल के संगीत से प्रभावित रही। लता मंगेशकर के पिता ने उनके गायन की प्रतिभा को प्रोत्साहित किया। पिता का देहान्त हो जाने के बाद लता ने अपने घर का भरन-पोषण करने के लिए फिल्मों में अभिनय करना शुरू कर दिया। सन1942 में, लता मंगेशकर ने पहली बार मंगलागौर में अभिनय किया। इसके बाद लता मंगेशकर ने माझे बाल (1944), चिमुकला संसार (1943), गजभाऊ (1944), बड़ी माँ (1945), जीवन यात्रा (1946) और छत्रपति शिवाजी (1952) फिल्मों में अभिनय किया और अपनी अभिनय कला सिद्ध की।लता मंगेशकर ने अपने संगीत सफर की शुरूआत मराठी फिल्मों से की। इन्होंने मराठी फिल्म 'किटि हासल' (1942) के लिए एक गाना 'नाचुं या गडे, खेलूं सारी मनी हस भारी' गाया, मगर अंत समय में इस गाने को फिल्म से निकाल दिया गया। इसके बाद विनायक ने नवयुग चित्रपट की मराठी फिल्म 'पहली मंगला गौर' (1942) में कार्य किया और फिल्म में गाना 'नातली चैत्राची नावलाई' गाया। वर्ष 1947 में लता मंगेशकर के जीवन ने एक नया मोड़ लिया। भारत के विभाजन के बाद, उस समय के लोकप्रिय गायक नूर जहान और कई निर्देशकों ने देश छोड़ दिया था ,जिसने लता मंगेशकर के लिए सफलता के दरवाजे खोल दिए। स्वतंत्रता के बाद, लता मंगेशकर ने सन 1947 की मुख्य फिल्म आपकी सेवा में गीत गाए, इस फिल्म के गीतों ने इन्हें फिल्मी उद्योग में अद्भुत सफलता दिलवाई और सन 1949 में गीत आयेगा आनेवाला भी काफी लोकप्रिय हुआ। सन 1950 के दशक तक, लता मंगेशकर ने खुद को फिल्मों में एक गायिका के रूप में स्थापित कर लिया था। लता मंगेशकर उस समय के कुछ महान संगीत निर्देशकों जैसे अनिल विश्वास और शंकर-जयकिशन के साथ काम करती

थीं। लता मंगेशकर ने एक थी लड़की, महा, बड़ी बहन और बरसात जैसी फिल्मों में गीत गाए, जिसने उन्हें और अधिक सफल गायिका बना दिया। लता मंगेशकर ने लगभग सभी प्रमुख संगीत निर्देशकों के साथ काम किया और तीन दशकों तक हिंदी फिल्म उद्योग पर छायी रहीं, वह फिल्मी गीतों की निर्विरोध म्यूजिकल क्वीन कही जाती थी। लता मंगेशकर ने कुछ प्रसिद्ध संगीत निर्देशकों जैसे आर. डी. बर्मन, सलिल चौधरी, एस.डी. बर्मन, नौशाद, सी. रामचंद्र और मदन मोहन और कई अन्य हस्तियों के साथ गीत गाए। लता मंगेशकर के यादगार गीतों में से कुछ गीत उनके प्रशंसकों के दिल पर आज भी राज करते हैं, उनमें राम तेरी गंगा मैली (1986), लेकिन (1990), जंगली (1961), जब जब फूल खिले (1965) आदि शामिल है।

सन 2001 में, भारत सरकार ने लता मंगेशकर को सर्वोच्च भारतीय नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा था।जो संगीत व गायन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है।स्वर कोकिला लता मंगेशकर से सन 2010 में उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ रमेश पोखरियाल "निशंक" व उनके साथ रुड़की के साहित्यकार डॉ योगेंद्र नाथ शर्मा अरुण साथ मुम्बई में मिलने उनके आवास पर गए। उस समय भी वे अस्वस्थ थीं और अस्पताल जा रही थी। उसी समय डॉ अरुण ने यह दोहा रचा

"लय औ ताल दोनों मिले,
जीवन है संगीत।
तानसेन की आत्मा,
बैजू की है प्रीत।"

यह दोहा जब लता जी को उन्होंने सुनाया,तो वे गद-गद हो गईं और उनसे लगभग 15 मिनिट बातें की। डॉ "निशक" ने उन्हें अपना काव्य-संग्रह "ऐ वतन तेरे लिए"की प्रति भेंट की तो उन्होंने पुस्तक में छपे कुछ गीतों को गाने का वायदा किया था, जो बाद में पूरा भी किया। इस चित्र में डॉ "निशक" और डॉ योगेन्द्र नाथ शर्मा "अरुण" के साथ मुंबई के हास्य-व्यंग्य कवि डॉ मुकेश गौतम भी हैं।

कोयल अचानक मौन हो गई

भारत रत्न कोकिलकंठी गायिका व सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर जी भारत की सबसे लोकप्रिय और आदरणीय गायिका रही हैं, जिनका छः दशकों का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा पड़ा रहा। हालाँकि लता जी ने लगभग तीस से ज्यादा भाषाओं में फि ल्मी और गैर-फि ल्मी गाने गाये हैं लेकिन उनकी पहचान भारतीय सिनेमा में एक पार्श्वगायक के रूप में रही है। अपनी बहन आशा भोंसले के साथ लता जी का फि ल्मी गायन में सबसे बड़ा योगदान रहा है। लता की जादुई आवाज के भारतीय उपमहाद्वीप के साथ-साथ पूरी दुनिया में दीवाने हैं। टाईम पत्रिका ने उन्हें भारतीय पार्श्वगायन की अपरिहार्य और एकछत्र साम्राज्ञी स्वीकार किया है।लता मंगेशकर का जन्म मराठी बोलने वाले गोमंतक मराठा परिवार में, मध्यप्रदेश के इंदौर में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक क्लासिकल गायक और थिएटर एक्टर थे। उनकी माता शेवंती (शुधामती) महाराष्ट्र के थालनेर से थी और वह दीनानाथ की दूसरी पत्नी थी। परिवार का उपनाम (सरनेम) हर्डीकर थे, लेकिन दीनानाथ ने इसे बदल्कार मंगेशकर रखा, ताकि उनका नाम उनके पारिवारिक गाँव मंगेशी, गोवा का प्रतिनिधित्व करे। जन्म के समय लता का नाम हेमा रखा गया था लेकिन बाद में उनका नाम बदलकर लता रखा गया था। लता अपने माता-पिता की पहली संतान है। इसके साथ ही मीना, आशा भोसले, उषा और हृदयनाथ उनके भाई-बहन है। लता मंगेशकर जी ने गायिकी का अपना पहला पाठ अपने पिता से सीखा था। पाँच साल की उम्र में लता जी ने अपने पिता के म्यूजिकल नाटक के लिये एक्ट्रेस का काम करना शुरू किया था (संगीत नाटक) । स्कूल के पहले दिन से ही उन्होंने बच्चों को गाने सिखाने शुरू कर दिये थे। जब शिक्षकों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो वे बहुत गुस्सा हो गयी थीं, और उन्होंने स्कूल जाना ही छोड़ दिया था। सूत्रों के अनुसार ये भी पता चला है कि लता अपने साथ स्कूल में आशा को लेकर आती थी और स्कूल वालों ने उन्हें बहन को साथ लाने से मना कर दिया था इसीलिए उन्होंने स्कूल जाना ही छोड़ दिया था। 13 साल की उम्र में 1942 में एक मराठी फिल्म के लिए उन्हों गाना रिकॉर्ड कियो फिल्म रिलीज हुई लेकिन किसी कारणवश फिल्म से गाना हटा दिया गया, इस बात से लता जी बहुत आहात हुईं इसी साल लता जी के पिता की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई लता जी अपने घर में सब भाई बहनों में बड़ी थीं, तो सारी जिम्मेदारी उनके कंधों पर पर ही आ गई विनायक दामोदर एक फिल्म कंपनी के मालिक थे, जो दीनानाथ जी के अच्छे मित्र थे, उनके जाने के बाद उन्होंने लता जी के परिवार को संभाला।

क्या दिन आ गए यमराज के, बेचारे मालखाने में बंद पड़े हैं

अपने को तो ये मालूम है कि यमराज से बढ़कर और कोइ नहीं होता, जब चाहे जिसे उठा लें, भैसे पे बैठ कर कब आ जाए कोई नहीं जानता उनके यमदूत कब आकर कहें कि चलो बुलावा आया है यमराज ने बुलाया है इसलिए यमराज के नाम से ही लोगों की सिटी पिट्टी गम हो जाती है, लेकिन कलयुग तो देखो जो यमराज सारी दुनिया को अलसेट देने के लिए मशहूर हो उस यमराज की ऐसी दुर्दशा इस कलियुग में हो रही है कि अब उनसे डर नहीं लगता बल्कि उन पर तरस आने लगा है ' हुआ यूं कि भिंड केएक मंदिर से शनि महाराज की प्रतिमा चोरी चली गयी वैसे तो शनि महाराज को कोई पसंद नहीं करता, शनि की साढ़े साती से हर आदमी भयाक्रांत रहता है पंडितों को कुंडली दिखलाता है शनिदेव को खुश करने के उपाय पूछता है, बजरंगबली की पूजा अर्चना शुरू कर देता है, लेकिन शनि महाराज खफा न हो जाए इसलिए इलाके के लोगों ने पुलिस को बत्ती देना शुरू कर दी अब पुलिस भी भारी हलाकान कि आखिर शनि देव की प्रतिमा वापस लाये तो कंहा से लाएं, खोज बीन करी और एक दो चोरो को पकड़ कर एक प्रतिमा उनसे बरामद करके पंहुच गए इलाके के लोगो के पास कि लो भैया हमने खोज ली है है आपके शनि महाराज की मूर्ति लेकिन लोगों ने साफ मना कर दिया की ये शनि महाराज की नहीं बल्कि यमराज की प्रतिमा है पुलिस वालों ने खूब समझाया कि यार शनि महाराज हो या यमराज दोनो ही अड़ी पटकते है इन्हें ही रख लो शनि महाराज समझ कर, दोनों की कद काठी और रंग एक सा ही है पर इलाके के लोग नहीं माने अब पुलिस वाले उस प्रतिमा का क्या करते सो उन्होंने यमराज जी को मालखाने में पटक दिया और बाहर से ताला लगा दिया, बेचारे यमराज मालखाने में पड़े है और रास्ता देख रहे है अपनी आजादी का लेकिन पुलिस थाने का मालखाना कोई ऐसी जगह तो है नहीं जिससे कोई निकल पाए यमराज भी सोच रहे है कि कंहा आकर फंस गए , जिन इंसानो को दम देने का ठेका अपने पास था वे अपने को ऐसी अलसेट देंगे कभी सोचा भी नहीं था, अपने को तो लगता है कि अब यमराज महोदय परमानेंटली मालखाने में ही बंद पड़े रहेंगे अब न तो उनके यमदूत काम आ रहे है न उनका जलवा '

किसने कहा था मिडिल क्लास में जन्म लो

भारत साकार का बजट आ गया, मिडिल क्लास वालों को बड़ी उम्मीद थी कि सरकार उनके लिए भी कुछ सोचेगी और कुछ नहीं तो इनकम टेक्स का स्लेब ही बढ़ा देगी , लेकिन हुआ क्या, स्लेब जैसा था वैसा ही बना रहा मिडिल क्लास वाले दिल के अरमा आँसुओं मैं बह गये गाते गाते सरकार को कोस रहे हैं इधर सरकार का कहना है कि अपन ने तो पहले ही घोषणा कर दी है कि मिडिल क्लास से अपना कोई लेना देना नहीं है वे अपनी व्यवस्थाएं खुद देखें हम तो गरीब और अमीर को ही देखेंगे मिडिल क्लास वाले बेचारे बड़े दुखी हैं पर अपना कहना है मिडिल क्लास वालों से कि भैया तुमसे किसने कहा था कि मिडिल क्लास में पैदा हो जाओ, हो जाते अम्बानी अडानी टाटा बिड़ला के घर में लेकिन आप लोगों को तो मिडिल क्लास में ही जन्म लेना था तो भोगो, वैसे भी मंझले यानी मिडिल बेटे को कोई प्यार नहीं करता, बड़ा बेटा बाप का प्यारा होता है और छोटा बेटा मां को प्यारा लगता है, मंझला बीच में झूलता रहता है तो यही सरकार कर रही है अमीर बड़ा बेटा हैं और गरीब छोटा आप लोग मंझले हो तो जिंदगी भर सरकार के प्यार को तरसते रहोगे, अब कसम खा लो कि अगले जनम में भगवान से यही रिक्वेस्ट करना की आप हमें कुछ भी बना देना चिड़िया बना देना, तेंदुआ बना देना, हाथी बना देना लकड़बघ्घा बना देना लेकिन इंसान न बनाना और यदि ऊपर वाला इंसान बनाने की ही जिद पकड़ ले तो भूलकर भी मिडिल क्लास में जनम मत लेना समझ गए न '

अब कर्जा मत लेना

वैवे भी बड़े बूढ़े कह गए है कि कर्जा लेना बुरी बात है, कर्जा इंसान को चैन से जीने नहीं देता लेकिन आजकल तो पूरी दुनिया कर्जे में ही जी रही है, ऐसा कौन सा इंसान हैं जो ईएमआई न चुकाता हो, बैंक वाले, फाइनेंस कम्पनी वाले लोन देने के लिए बेताब हैं फोन कर कर पूछते हैं कि हुजूर आपको कर्जा तो नहीं चाहिए, मना कर दो उसके बाद भी पुचकारते हैं लुभाते हैं कि लेकर तो देखो कर्जा, जब भी चुकाना हो चुका देना लेकिन लो जरूर , व्यापारी लोग इनके जाल में फंसते नहीं हैं और आपसे में हंडी पे, ब्याज पे, बड़े व्यापरी से कर्जा ले लेते है लेकिन सरकार को ये स्कीम रास नहीं आई उसने घोषणा कर दी कि एक अप्रैल से जो भी कर्जा लेगा उसे ये बताना पड़ेगा की उसने जिससे कर्जा लिया है वो कर्जा देने के लिए माल कंहाँ से लाया, यानि अब कर्जा लेने से पहले कर्जा देने वाले की पूरी कुंडली खंगालना पड़ेगी कि जो कर्जा दे रहा है वो पैसा कंहा से लाया उसके बाप दादा ने दिया कि उसको कंही से गड़ा धन मिला है उसकी इनकम कितनी है, और वो कर्जा देने लायक है भी कि नहीं, सरकार ने साफ कर दिया है कि यदि कर्जा लेने वाले ने कर्जा देने वाले की पूरी जानकारी नहीं दी तो उसके कर्जे के माल पर भारी भरकम टेक्स लगा दिया जाएगा अब कर्जा लेने वाले भी सर पकड़ कर बैठे हैं और कर्जा देने वाले भी, उन्हें समझ में ही नहीं आ रहा है कि सरकार को इसमें टांग फंसाने की जरूरत क्या है, ये तो दो लोगों के बीच का मसला है, लेकिन सरकार तो सरकार है, भैया उसके हाथ में पॉवर है और जिसके हाथ में पॉवर होता है वो कुछ भी कर सकता है।

एक नजर इधर भी

रंजो गम की दरिया में जानलेवा गड्ढे हैं।जिसमें रोज चोटिल होते उल्लुओं के पट्ठे हैं।।
विशालकाय तनबदन , पहने बनियान चड्ढे हैं।।
कहने को अंगूठा छाप, अंग्रेजी बड़बड़ाते हैं।
दिल्ली की दहाई तक, पहुंच भी बताते हैं।।
माया भगवान की सोना होती माटी है। दूसरों पर दोष मढना जिंदा परिपाटी है।।

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

वीकेंड हॉलिडे के लिए एकदम परफेक्ट है रानीखेत

रानी झील एक आर्टिफिशियल झील है जिसे भारतीय सेना के कैंटोनमेंट बोर्ड ने वर्षा जल संचयन के उद्देश्य से बनाया था, लेकिन यह अब रानीखेत में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बन गया है। 2500 फीट की ऊंचाई पर स्थित, रानी झेल पिकनिक, रोमांटिक सैर और नौका विहार के लिए एक सुंदर स्थान है।

हिमालय की शांति के बीच, 1,869 मीटर की ऊंचाई पर एक छोटा रानीखेत स्थित है। रानीखेत भारत के उत्तराखण्ड राज्य का एक प्रमुख पहाड़ी पर्यटन स्थल है। इस छोटे से शहर की घाटियों में, दिन भर में सैकड़ों घंटियाँ और हिमालयी वन की मधुर ध्वनि सुन सकते हैं। देवदार और बलूत के वृक्षों से घिरे रानीखेत में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान हैं जो दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों के हजारों पहाड़ी प्रेमियों को इस छावनी में आकर्षित करते हैं। तो चलिए आज हम आपको रानीखेत में घूमने के कुछ बेहतरीन स्थानों के बारे में बता रहे हैं-

चौबटिया गार्डन

600 एकड़ की रोलिंग भूमि में फैला, चौबटिया गार्डन रानीखेत के सबसे अच्छे पर्यटन स्थलों में से एक है। प्लम, नाशपाती, सेब और खुबानी के रोपण के लिए जाना जाता है, यह विभिन्न रंगों के साथ चित्रित एक सुंदर बाग है। यह खूबसूरत दृश्यों का आनंद लेते हुए इत्मीनान से टहलने और परिवार के साथ पिकनिक मनाने के लिए एक आदर्श स्थान है। यहाँ से नंदादेवी, त्रिशूल और नीलकंठ जैसी हिमालय की चोटियाँ भी साफ-सुथरी धूप में दिखाई दे सकती हैं। यह सबसे खूबसूरत रानीखेत पर्यटन स्थलों में से एक है।

रानी झील

रानी झील एक आर्टिफिशियल झील है जिसे भारतीय सेना के कैंटोनमेंट बोर्ड ने वर्षा जल संचयन के उद्देश्य से बनाया था, लेकिन यह अब रानीखेत में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बन गया है। 2500 फीट की ऊंचाई पर स्थित, रानी झेल पिकनिक, रोमांटिक सैर और नौका विहार के लिए एक सुंदर स्थान है। यह निश्चित रूप से रानीखेत में सबसे रोमांटिक पर्यटन स्थलों में से एक है।

कुमाऊँ रेजिमेंटल सेंटर संग्रहालय

इस संग्रहालय की स्थापना 1970 के दशक की शुरूआत में भारतीय सेना की कुमाऊं रेजीमेंट ने इस क्षेत्र की समृद्ध विरासत को दर्शाने के लिए की थी। यह संग्रहालय भारतीय सेना में कुमाऊं और गढ़वाल रेजीमेंट के गौरवशाली योगदान और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली युद्ध कलाकृतियों का घर है। यह रानीखेत में सबसे अधिक देखी जाने वाली पर्यटक जगहों में से एक है। संग्रहालय में कारगिल युद्ध से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों और रानी लक्ष्मी बाई के कुछ चांदी के स्केप्टर्स भी रखे हैं।

मजखली

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध, मजखली शांति साधकों के लिए रानीखेत में सबसे अच्छी जगहों में से एक है। अल्मोड़ा रोड पर स्थित, रानीखेत से 12 किलोमीटर दूर- मजखली एक विचित्र और मनोरम हैमलेट है, जो हिमालय की चोटियों, विशेष रूप से त्रिशूल को देखने के लिए लोकप्रिय है।

यह जगह वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध किस्मों के लिए एक निवास स्थान है और एक विंटेज काली मंदिर के लिए भी लोकप्रिय है।

अगर आपने कसौली में गोरखा किला नहीं घूमा तो क्या घूमा ?

कसौली में जाने के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थानों में से एक है मंकी प्वाइंट। किंवदंती है कि भगवान हनुमान ने रामायण में भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण के लिए औषधीय जड़ी बूटी की खोज करते हुए यहां अपना पैर रखा था। अपने नाम के अर्थ को पूरा करते हुए आप यहां पर काफी बंदर देख सकते हैं।

कसौली एक उत्तम पर्वतीय स्थल है जो हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित है। यह ब्रिटिश राज के दौरान एक औपनिवेशिक हिल स्टेशन के रूप में स्थापित एक छावनी और कस्बा है और इसका उपयोग अंग्रेजों द्वारा समर्स रिटीट के रूप में किया जाता था। कसौली हिमालय पर्वतमाला के निचले किनारों पर स्थित है और देवदार और देवदार के पेड़ों और कई जड़ी बूटियों के घने जंगलों से घिरा हुआ है। कसौली में घूमने के लिए कई अद्भुत स्थान हैं। यहां पर आप अंग्रेजों के शासन के दौरान की कई विक्टोरियन-युग की इमारतें भी देख सकते हैं, जिनका उपयोग अंग्रेज करते थे। तो चलिए आज हम आपको कसौली में घूमने की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं-

मंकी प्वाइंट -कसौली में जाने के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थानों में से एक है मंकी प्वाइंट। किंवदंती है कि भगवान हनुमान ने रामायण में भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण के लिए औषधीय जड़ी बूटी की खोज करते हुए यहां अपना पैर रखा था। अपने नाम के अर्थ को पूरा करते हुए आप यहां पर काफी बंदर देख सकते हैं। इसके अलावा, आप यहां स्थित वायु सेना स्टेशन भी देख सकते हैं। मंकी पॉइंट आपको कसौली के परिदृश्य के अद्भुत दृश्य भी प्रदान करता है।

मॉल रोड-हर दूसरे हिल स्टेशन की तरह, कसौली में भी एक मॉल रोड है जहाँ आप कपड़े, चंकी ज्वैलरी की खरीदारी कर सकते हैं, कुछ मनोरम स्ट्रीट फूड का आनंद ले सकते हैं या बस जगह के खूबसूरत दृश्य का आनंद ले सकते हैं। मॉल रोड कसौली के सबसे बिजी प्लेसेस में से एक है।

गोरखा किला-जब कसौली के पर्यटन स्थलों की बात आती है, तो गोरखा किला एक बेहद दिलचस्प स्थल है जिसे हर किसी को अपनी ट्रेवल लिस्ट में जरूर रखना चाहिए। सुबाथु पहाड़ी में कसौली से 16 किमी दूर स्थित, गोरखा किले की स्थापना गोरखा सेना प्रमुख अमर सिंह थापा ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए की थी। किले में 180 साल पुरानी तोपें हैं और यह आज के इतिहास के शौकीनों और पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण है।

सफेद शहर उदयपुर में मौजूद हैं घूमने की कई बेहतरीन जगहें, जानिए

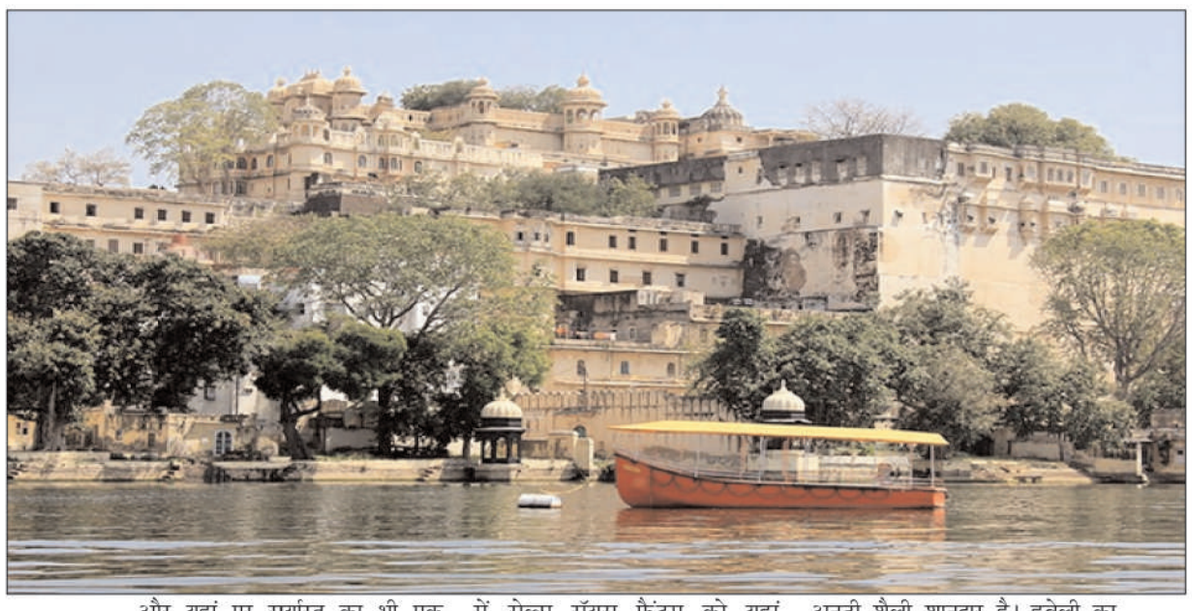

पिछोला झील एक कृत्रिम झील है, यह झील शहर की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी झील है। पिछोला झील का दौरा नाव की सवारी के बिना अधूरा है। यह झील कई सुरम्य दृश्य प्रदान करती है और यहां पर सूर्यास्त का भी एक अद्भुत नजारा देखने को मिलता हैं।

उदयपुर, राजस्थान का एक बेहद ही खूबसूरत शहर है और इसका एक शानदार इतिहास है। उदयपुर लोकप्रिय रूप से द सिटी ऑफ लेक के रूप में जाना जाता है और यह स्थान वेनिस और पूर्व के तथाकथित वेनिस का अहसास देता है। इसे भारत के व्हाइट सिटी के रूप में भी जाना जाता है और उदयपुर के व्हाइट सिटी होने के पीछे का कारण यह है कि यह आश्चर्यजनक झीलों और खूबसूरत संगमरमर वास्तुकला का एक घर है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको उदयपुर में घूमने की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बता रहे हैं-

पिछोला झील

पिछोला झील एक कृत्रिम झील है, यह झील शहर की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी झील है। पिछोला झील का दौरा नाव की सवारी के बिना अधूरा है। यह झील कई सुरम्य दृश्य प्रदान करती है और यहां पर सूर्यास्त का भी एक अद्भुत नजारा देखने को मिलता हैं। यह स्थान दंपतियों के लिए आदर्श है क्योंकि वे झील के आसपास के रास्ते में टहल सकते हैं और सूर्यास्त का भी आनंद ले सकते हैं।

विंटेज कार म्यूजियम

उदयपुर न केवल किलों और झीलों के लिए जाना जाता है बल्कि यहां पर एक विंटेज कार म्यूजियम भी है। इस संग्रहालय में कई पुरानी कारें हैं जो उदयपुर के मेवाड़ राजवंश द्वारा उपयोग की जाती थीं। यहां आपको विंटेज रोल्स रॉयस, मर्सिडीज के मॉडल देखने को मिलेंगी, ये सभी कारें कस्टम और रॉयल्स के स्वामित्व वाली थीं। 1934 में रोल्स रॉयस फैंटम को यहां संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया है जिसका उपयोग प्रसिद्ध जेम्स बॉन्ड फिल्म में किया गया था। यहां लगभग 20 प्राचीन कारें मौजूद हैं जो मोटर प्रेमियों के लिए किसी खजाने से कम नहीं है।

बागोर की हवेली

इसे 18 वीं शताब्दी में पिछोला झील के तट पर बनाया गया था। बाद में इस जगह को एक संग्रहालय में परिवर्तित कर दिया। इस संग्रहालय में राजपूतों द्वारा उपयोग की जाने वाली चीजें जैसे गहने, हाथ के पंखे, तांबे के बर्तन आदि हैं। इस हवेली में 100 से अधिक कमरे हैं और इसकी वास्तुकला की अनूठी शैली शानदार है। हवेली का मुख्य आकर्षण धरोहर डांस शोर है और इसे हर शाम आयोजित किया जाता है और यह राजस्थान की संस्कृति और लोक परंपरा को प्रदर्शित करता है।

फतह सागर झील

फतह सागर झील उदयपुर में एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अरावली पहाड़ियों से घिरी हुई है। यह जगह शहर की दूसरी सबसे बड़ी कृत्रिम झील है और अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जानी जाती है। कोई भी मोती-मगरी सड़क पर ड्राइविंग करके फतह सागर झील की परिधि देख सकता है। यहां पर आप हाथ बोटिंग से लेकर कुछ वाटर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते हैं।

उदयपुर न केवल किलों और झीलों के लिए जाना जाता है बल्कि यहां पर एक विंटेज कार म्यूजियम भी है। इस संग्रहालय में कई पुरानी कारें हैं जो उदयपुर के मेवाड़ राजवंश द्वारा उपयोग की जाती थीं। यहां आपको विंटेज रोल्स रॉयस, मर्सिडीज के मॉडल देखने को मिलेंगी, ये सभी कारें कस्टम और रॉयल्स के स्वामित्व वाली थीं। 1934 में रोल्स रॉयस फैंटम को यहां संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया है जिसका उपयोग प्रसिद्ध जेम्स बॉन्ड फिल्म में किया गया था। यहां लगभग 20 प्राचीन कारें मौजूद हैं जो मोटर प्रेमियों के लिए किसी खजाने से कम नहीं है।

भारत का सबसे खूबसूरत शहर कहलाता है अलाप्पुझा, एक बार जरूर जाएं...

कृष्णापुरम पैलेस एक छोटी सी पहाड़ी पर स्थित है। ये महल बगीचे, तालाब और फव्वारों से घिरा है। ये एक संरक्षित स्मारक है जिसको अब एक संग्रहालय बना दिया गया है। यहां काफी सुंदर बगीचे हैं जहां कई अलग-अलग तरह की वनस्पतियां लगी हुई है। आप यहां यहां प्रदर्शित सिक्के, महापाषाण अवशेष, शिलालेख, लकड़ी की कलाकृतियां, पेंटिंग, पत्थर और पीतल की मूर्तियों समेत कई चीजें देख सकते हैं। यहां पर आपको दक्षिण भारत की कला-संस्कृति और जीवन को समझने का अवसर मिल सकेगा।

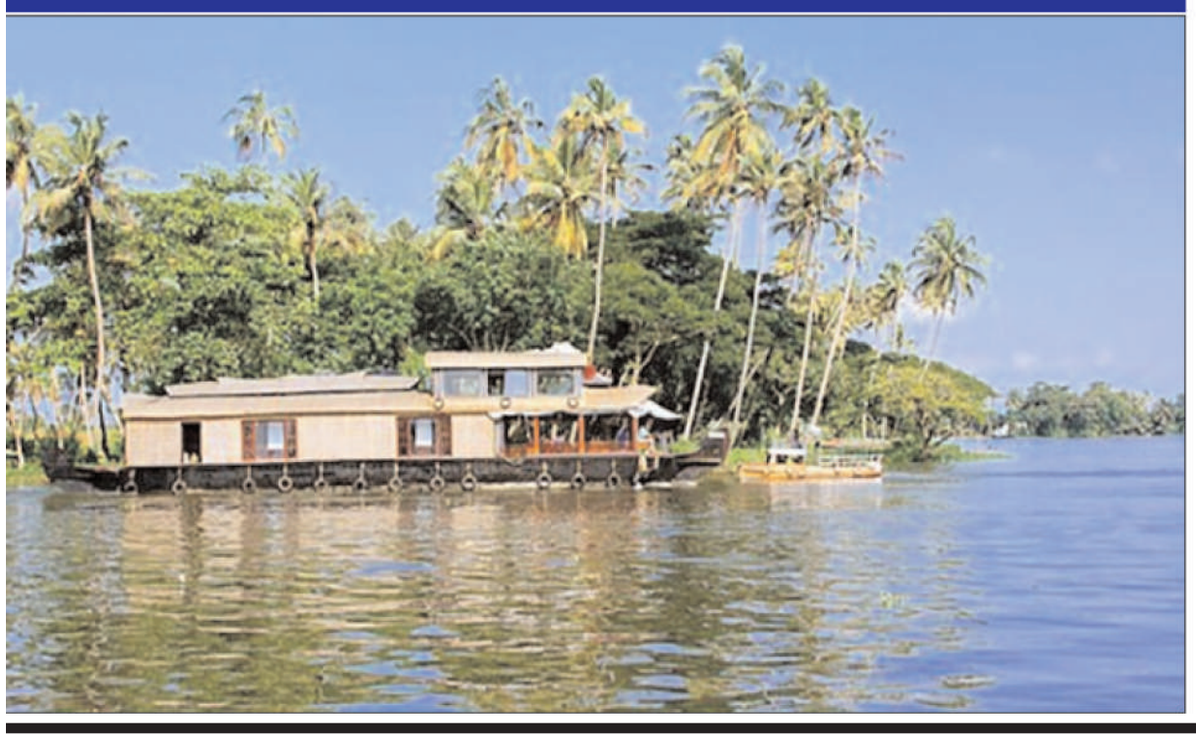

केरल के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक कुट्टनाड बैकवॉटर है। ये जगह पहाड़ और समुद्र से घिरा है। ये जगह केरल के चावल का कटोरा भी कहलाता है। यहां चावल की खेती की जाती है। ये जगह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए काफी प्रसिद्ध है।

फुर्सत के कुछ पल बिताने के लिए केरल के खूबसूरत शहर अलाप्पुझा में आप जा सकते हैं। बैकवाटर्स के केंद्र में स्थित इस शहर के आर-पाल जलमार्गों के किनारे पेड़ ही पेड़ नजर आते हैं, जो प्राकृतिक खूबसूरती को दर्शाते हैं। इसके अलावा यहां पर आप कई हाउसबोट और स्वादिष्ट समुद्री व्यंजन का भी लुत्फ उठा सकते हैं। अपने पूर्व नाम अलेप्पी से प्रसिद्ध ये शहर केरक के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। ये शहर पूर्व का वेनिस भी कहलाता है। आइए आपको अलाप्पुझा में घूमने की कुछ खास जगहों के बारे में बताते हैं...

कुट्टनाड बैकवॉटर

केरल के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक कुट्टनाड बैकवॉटर है। ये जगह पहाड़ और समुद्र से घिरा है। ये जगह केरल के चावल का कटोरा भी कहलाता है। यहां चावल की खेती की जाती है। ये जगह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए काफी प्रसिद्ध है। यहां की खेती को लेकर ऐसा कहा जाता है कि ये शायद दुनिया में एक ही ऐसी जगह है जहां समुद्र तल से सिर्फ 2 मीटर गहराई पर खेती होती है। यहां की खूबसूरती देखने के साथ आप नाव की सवारी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

अलाप्पुझा बीच

केरल के सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक अलाप्पुझा बीच है। चमकदार रेत और साफ पानी अलाप्पुझा बीच की खूबसूरती बढ़ाता है। यहां से आप सूर्यास्त और सूर्योदय का नजारा देख सकते हैं, जोकि बेहद खूबसूरत लगता है। अगर आपको प्रकृति की सुंदरता पसंद हैं तो ये जगह आपके लिए बेस्ट है। ये जगह पर्यटकों के बीच में बेहद लोकप्रिय है। यहां आप अपने फ्रेंड्स या फैमली के साथ जा सकते हैं।

कृष्णापुरम पैलेस

कृष्णापुरम पैलेस एक छोटी सी पहाड़ी पर स्थित है। ये महल बगीचे, तालाब और फव्वारों से घिरा है। ये एक संरक्षित स्मारक है जिसको अब एक संग्रहालय बना दिया गया है। यहां काफी सुंदर बगीचे हैं जहां कई अलग-अलग तरह की वनस्पतियां लगी हुई है। आप यहां यहां प्रदर्शित सिक्के, महापाषाण अवशेष, शिलालेख, लकड़ी की कलाकृतियां, पेंटिंग, पत्थर और पीतल की मूर्तियों समेत कई चीजें देख सकते हैं। यहां पर आपको दक्षिण भारत की कला-संस्कृति और जीवन को समझने का अवसर मिल सकेगा।

पाथिरामनल

अलाप्पुझा से करीब 13 किलो मीटर की दूरी पर स्थित पाथिरामनल छोटा-सा द्वीप है। ये सुंदर सा द्वीप केरल के बैकवाटर्स पर तैरता है। यहां आप दुर्लभ प्रवासी पक्षियों को देख सकते हैं। कहा जाता है कि यहां करीब 50 विदेशी प्रजातियां और 91 तरह के स्थानीय पक्षी मौजूद होते हैं। इसके अलावा यहां पर कई प्रकार के औषधीय पौधे भी पाए जाते हैं। यहां पहुंचने के लिए सिर्फ आप नाव का सहारा ले सकते हैं, क्योंकि ये जगह वेम्बनाड झील से घिरा **है।**

श्री कृष्ण मंदिर

केरल के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक अम्बालापुझा श्री कृष्ण मंदिर है। ये मंदिर अम्बलप्पुझा जिले में स्थित है, जोकि दक्षिण भारत का प्रमुख धार्मिक स्थल है। भगवान श्री कृष्ण को समर्पित ये मंदिर मीठे दूध से बने चावल के हलवे के लिए जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण 15-17 वीं ईसवी में हुआ था। ये मंदिर दक्षिण की द्वारिका के तौर प्रसिद्ध है।

रेस नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस

अलाप्पुझा ही नहीं केरल राज्य का भी नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस एक प्रमुख आकर्षण हैं। हर साल रेस का आयोजन प्रतिवर्ष अगस्त महीने के दूसरे शनिवार को ओणम पर्व के मौके पर होता है। इस दौरान 100 से 120 फीट लंबी डोंगी जैसी नाव का इस्तेमाल किया जाता है।

कृष्ण जन्मभूमि मथुरा है बेहद खास

भगवान कृष्ण की नगरी कहलाई जाने वाला धार्मिक स्थल मथुरा दुनियाभर में पर्यटकों के बीच प्रसिद्ध है। यहां भगवान कृष्ण के दर्शन करने के लिए विश्वभर से पर्यटक आते हैं। ये स्थल भगवान श्री कृष्ण जन्मभूमि से भी जाना जाता है। विशेषतौर होली मानाने के लिए यहां दूर-दूर से लोग आया करते हैं। यहां कृष्ण मंदिर के अलावा कई अन्य जगह भी हैं जहां आप घूमने के लिए जा सकते हैं। मथुरा से करीब 56 किलोमीटर की दूरी पर आगरा है। आप चाहें तो मथुरा के साथ-साथ आगरा भी घूमने जा सकते हैं। वहीं, अगर आप मथुरा घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आज हम आपको जिन प्रमुख जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं वहां आप घूमने जा सकते हैं। आइए आपको मथुरा के कुछ प्रमुख स्थानों के बारे में बताते हैं...

कृष्ण जन्मभूमि

अगर आप मथुरा जा रहे हैं तो सबसे पहले कृष्ण जन्मभूमि मंदिर ही जाएं। कृष्ण जन्मभूमि से ही आपको ये साफ हो गया होगा कि ये कृष्ण भगवान का जन्म स्थान है। बता दें कि इस मंदिर को उसी कारागार के बाहर बनाया गया है जहां भगवान कृष्ण ने जन्म लिया था। कहते हैं कि यहां कृष्ण भगवान की शुद्ध सोने से बनी 4 मीटर की मूर्ति थी, जिसको महमूद गजनवी द्वारा चुरा लिया गया था।

बांके बिहारी मंदिर

मथुरा के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक बांके बिहारी मंदिर है। ये राधा वल्लभ मंदिर के पास स्थित है।

बता दें कि भगवान कृष्णा का दूसरा नाम बांके बिहारी भी है। इस मंदिर में बांके बिहारी की मूर्ति काले रंग की होती है। इस मंदिर में पहुंचने के लिए आपको संकरी गलियों से जाना पड़ेगा।

संवेदनाएं

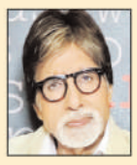

वह हमें छोड़कर चली गई, सदियों की सबसे बेहतरीन आवाज खामोश हो गई।

-अमिताभ बच्चन, अभिनेता

लता जी बहुत मजाकिया और बातों को याद रखने वाली व्यक्ति थीं।

-ललित पंडित, संगीतकार

उनकी आवाज ने हमारे जीवन को रोशन कर दिया, जब हम उदास होते हैं तो हमें उससे सांत्वना मिलती है, जब हम कमजोर होते हैं तो ताकत मिलती है।

-अभिनेत्री, शबाना आजमी

हमारी स्वर कोकिला आप हमेशा हमारी यादों में रहेंगी। आपकी आवाज सदैव हमारे बीच रहेगी।

-सलमान खान, अभिनेता

वर्षों से लता ताई की आवाज सुनती आ रही हूं। उन्होंने हमारे दिलों पर एक ऐसी छाप छोड़ी है, जो कभी नहीं मिटने वाली।

-माधुरी दीक्षित, अभिनेत्री

मेरी आवाज ही पहचान है, गर याद रहे... और ऐसी आवाज को कोई कैसे भूल सकता है। लता मंगेशकर जी के निधन से गहरा दुख हुआ, मेरी संवेदना और प्रार्थनाएं।

-अक्षय कुमार, अभिनेता

एक महान हस्ती। मैं हमेशा उनके गीतों की विरासत को संजोकर रखूंगा। हम कितने भाग्यशाली हैं कि हम लता जी के गाने सुनकर बड़े हुए। ओम शांति। मंगेशकर परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

-अजय देवगन, अभिनेता

कोकिला चली गई हैं। स्वर्ग धन्य हो गया। लता जी जैसा कोई दूजा नहीं होगा। ओम शांति।

-हंसल मेहता, फिल्मकार

महानतम भारतीयों में से एक शख्सियत ने आज हमें अलविदा कह दिया।

हर्षा भोगले, क्रिकेट कमेंटेटर

उनके निधन से हमारे जीवन में खामोशी सी पैदा हो गई है। ओम शांति।

-किरण मजूमदार शॉ

स्वर कोकिला का निधन भारत के लिए दुखद दिन। लताजी की आवाज ने उन्हें हमेशा के लिए अमर कर दिया।

-अनुष्का शर्मा, अभिनेत्री

आपकी आत्मा को शांति मिले। लता मंगेशकर।

-करीना कपूर, अभिनेत्री

वह हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेंगी। भारत की स्वर कोकिला को मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि।

-एसएस राजामौली, फिल्मकार

प्यार, सम्मान और प्रार्थना।

-एआर रहमान, संगीतकार

आवाज कभी नहीं रुकेगी।

-प्रियंका चोपड़ा

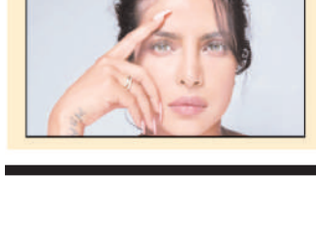

मेरी आवाज ही पहचान है : लता मंगेशकर को 'परिभाषित' करने वाला गीत

नई दिल्ली (भाषा)। लता मंगेशकर ने यूं तो लगभग आठ दशकों में हजारों गीतों को अपनी आवाज से सजाया, हालांकि कुछ ऐसे गीत रहे जिनसे उनका बेहद गहरा जुड़ाव बन गया और स्वर कोकिला ने कई बार इन गीतों का जिक्र भी किया। मंगेशकर ने साक्षात्कार में कहा था कि वह अब भी इस बात को याद करती हैं कि किस तरह दिग्गज गीतकार गुलजार के शब्द मेरी आवाज ही पहचान है, संगीत की दुनिया में उनकी यात्रा को दर्शाते हैं उनके प्रशंसक उनकी आवाज से ही उनकी पहचान को जोड़ते हैं। ये शब्द वर्ष 1977 में आई फिल्म किनारा के गीत नाम गुम जाएगा के हैं।

मंगेशकर ने कहा था, देश में हर व्यक्ति जानता है कि गुलजार साहब खूबसूरत लिखते हैं। वह बहुत खूबसूरत बोलते भी हैं। जब मैं यह गीत गा रही थी, वह मेरे पास आए और कहा, 'मेरी आवाज ही पहचान है और ये है पहचान। और इसके बाद, मैंने भी यह कहना शुरू किया कि मेरी आवाज ही मेरी पहचान है। अब जो भी इस गीत को गाता है या मेरे बारे में लिखता है वह इन पंक्तियों को दोहराता है।

फिल्मों में इस तरह किया प्रवेश

मुंबई (भाषा)। पिता का निधन हो चुका था और परिवार पालने का कोई जरिया ना था ऐसे में परिवार का बोझ उठाने के लिए लता मंगेशकर ने फिल्म उद्योग में छोटी छोटी भूमिकाओं से अपने कैरियर की शुरूआत की । उस समय किसे पता था कि एक वक्त आने वाला है, जब लता दशकों तक संगीत जगत पर राज करेंगी। मंगेशकर को उनके जन्म के समय 'हेमा' नाम दिया गया था, लेकिन उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर के नाटक 'भाव बंधन' में लतिका नाम की एक महिला चरित्र से प्रेरित होकर उन्हें लता नाम दिया गया। कम ही लोग जानते हैं कि पांच साल की उम्र में, गायिका ने मराठी भाषा में अपने पिता के संगीत नाटकों में एक अदाकारा के रूप में काम करना शुरू कर दिया था। मंगेशकर पर लिखी किताब में लेखक यतींद्र मिश्रा ने नाट्यमंच पर गायिका की शुरुआत का जिक्र किया है। उन्होंने 'लताः सुर गाथा' में लिखा है, पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर की नाटक कंपनी 'बलवंत संगीत मंडली' ने अर्जुन और सुभद्रा की कहानी पर आधारित नाटक 'सुभद्रा' का मंचन किया। पंडित दीनानाथ ने अर्जुन की भूमिका निभाई जबकि नौ वर्षीय लता ने नारद की भूमिका निभाई।

नाटक शुरू होने से पहले, लता ने अपने पिता से कहा कि वह हमेशा की तरह दर्शकों से वाहवाही और 'वंस मोर' की सराहना प्राप्त करेंगी। लता ने यह कर दिखाया। बाद में उन्होंने अपने पिता की फिल्म 'गुरुकुल' में कृष्ण की भूमिका निभाई। वर्ष 1942 में, जब लता मंगेशकर के पिता की हृदय रोग से मृत्यु हो गई, तब फिल्म अभिनेतानिर्देशक और मंगेशकर परिवार के करीबी दोस्त, मास्टर विनायक दामोदर कर्नाटकी ने उन्हें एक अभिनेत्री और गायिका के रूप में अपना करियर शुरू करने में मदद की। मंगेशकर ने 1942 में वसंत जोगलेकर की मराठी फिल्म 'किती हसाल' के लिए सदाशिवराव नेवरेकर द्वारा रचित एक मराठी गीत 'नाचू या गाडे, खेलो सारी मणि हौस भारी' गाया था, लेकिन दुर्भाग्य से गीत को हटा दिया गया था। मास्टर विनायक ने मंगेशकर को एक मराठी फिल्म 'पहिली मंगला गौर' में एक छोटी भूमिका की पेशकश की थी और उनसे 'नताली चैत्रची नवलई' गीत भी गवाया था। 1945 में जब मंगेशकर मुंबई चली आईं , तो उन्होंने संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी। मंगेशकर को 1945 में मास्टर विनायक की हिंदी भाषा की फिल्म बड़ी मां में अपनी छोटी बहन आशा भोसले के साथ एक छोटी भूमिका निभाने का अवसर मिला। फिल्म में, उन्होंने एक भजन 'माता तेरे चरणों में' भी गाया था।

अभिनय वक्त की जरूरत थी, उन्होंने मराठी फिल्मों में नायिका की बहन, नायक की बहन जैसी छोटी भूमिकाएं निभाईं, लेकिन उन्हें कभी भी मेकअप करना और कैमरे के सामने काम करना पसंद नहीं था। मंगेशकर ने 2008 में एनडीटीवी को बताया था, मैंने एक अभिनेत्री के रूप में शुरुआत की थी। लेकिन मुझे एक्टिंग करना कभी पसंद नहीं था। मैं मास्टर विनायक के साथ काम करती थी। मैंने फिल्मों में काम किया लेकिन मुझे कभी मजा नहीं आया। मुझे मेकअप करने और कैमरे के सामने हंसने और रोने से नफरत थी। इसके बावजूद मैं गायन से प्यार करती थी। मैं बचपन से ही इसकी ओर आकर्षित थी।

अपनी छोटी बहन आशा भोसले के साथ। (फाइल फोटो)

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ। (फाइल फोटो)

ऐ मेरे वतन के लोगों... के बाद पंडित जवाहर लाल नेहरू के साथ। (फाइल फोटो)

उनकी आवाज सदियों का गूंजती रहेगी

मुंबई (आईएएनएस)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने दिग्गज गायिका लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि दी है, जिनका रविवार को 92 साल की उम्र में मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। अभिनेता ने अपने निजी ब्लॉग पर लता मंगेशकर को लाखों सदियों की आवाज के रूप में वर्णित किया। उन्होंने लिखा, वह हमें छोड़ गई हैं ... एक लाख सदियों की आवाज हमें छोड़ गई है ... शांति और शांति के लिए प्रार्थना।

ऊषा मंगेशकर, हृदयनाथ मंगेशकर, आशा भोसले एवं मीना खादिकर के साथ। (फाइल फोटो)

स्वर कोकिला को 82वें जन्मदिन पर बधाई देते सदी के महानायक अमिताभ बच्चन। (फाइल फोटो)

वहीदा की चाकलेट और लता की साड़ियां

मुंबई (भाषा)। सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के साथ अपने दोस्ताना संबंधों को याद करते हुए अभिनेत्री वहीदा रहमान ने कहा कि वह महान गायिका को अक्सर चॉकलेट, कबाब और बिरयानी भेजा करती थीं, जिसके बदले में अपने आशीर्वाद के रूप में लता उन्हें सुंदर साड़ियां भेजती थीं। वहीदा के लिए लता ने 'आज फिर जीने की तमन्ना है' और 'पिया तो से नैना लागे रे' जैसे सदाबहार गीत गाये थे। वहीदा ने कहा, यह हर किसी के लिए विभिन्न तरह से सचमुच में एक नुकसान है। मेरे लिए, मैं नहीं जानती कि क्या कहना है, हम एक दूसरे से रोज बातचीत नहीं किया करते थे लेकिन हम दोनों ने एक दूसरे के साथ का बहुत अच्छा समय बिताया, हम एक दूसरे को बखूबी जानते थे। लोग अक्सर सोचते हैं कि वह एक शर्मीली महिला थी लेकिन मैंने उन्हें चुटकुले सुनाते देखा।

स्टूडियो तक का रास्ता तय करती थीं पैदल

नई दिल्ली (वार्ता)। अपने मधुर गीतों से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली स्वर लता के जीवन में एक वह दौर वह भी था जब उनके पास पैसे बहुत कम हुआ करते। पैसे बचाने के लिए वह स्टेशन से स्टूडियो का रास्ता पैदल तय करती थीं। लताजी काफी समय पहले एक टीवी चैनल पर जावेद अख्तर के साथ बातचीत में कहा था, उस समय मेरे पास पैसे बहुत थोड़े हुआ करते थे। स्टेशन से स्टूडिया की ओर लोग तांगे से जाते थे। मै पैदल जाया करती थी। पैसे बचाने के लिए। वापसी में बचे हुए पैसे से घर के लिए स्टेशन के पास से भांजी खरीद कर ले जाती थी।

लता का भोजपुरी से भी नाता

पटना (वार्ता)। सुरों की सरस्वती लता जिन्हें लोग प्यार से लता दी कहा करते थे का न सिर्फ हिंदी फिल्म जगत से नाता था बल्कि उन्होंने बिहार की लोकभाषाओं में भी गाने गाये। लता मंगेशकर का गाया ऐसा ही एक भोजपुरी गीत सर्वकालिक श्रेष्ठ भोजपुरी गाना बना हुआ है। लता दी के गाए भोजपुरी गीत आज भी सर्वकालिक श्रेष्ठ के रूप में जाना और पहचाना जाता है। उनके गाए इन गीतों को सुनने के बाद ही भोजपुरी भाषा की मिठास को जाना जा सकता है। वर्ष 1962-63 में आई भोजपुरी फिल्म 'लागी ना छूटे रामा' में लता मंगेशकर का गाया गीत आज भी संगीत के कद्रदानों के कानों में मिस्री सी मिठास घोलते हैं।

पहला गाना जो कभी रिलीज ही नहीं हुआ

■ हेमंत शुक्ल

मां सरस्वती की पूजा का कल दिन था और उसी मां शारदा ने अपनी प्रतिरूप को अपनी विदाई के दिन ही खुद में समाहित कर लिया। इससे सिद्ध होता है कि भारत कोकिला लता मंगेशकर सरस्वती अवतार ही थी। 5 वर्ष की आयु से ही वे अपने पिता के साथ नाटक खेलने और गाने लगी थीं 14 वर्ष की आयु में सार्वजनिक रूप से सोलापुर के नूतन संगीत थिएटर के माध्यम से स्टेज पर आई और अपनी अलग पहचान गायकी के क्षेत्र में बनाई।

1947 में बसंत जोगलेकर ने फिल्म आपकी सेवा में लता से गीत गवाया। इस फिल्म के संगीतकार दत्ता दाऊजी थे और इस फिल्म से लता ने अपनी पहचान बना ली। यह बहुत कम लोग जानते है कि वर्ष 1974 में लता मंगेशकर ने लंदन के रॉयल अल्बर्ट हॉल में पहला भारतीय कार्यक्रम दिया था। उन्होंने उस समय 5 भाषाओं में गीत गाए और जब अपने कार्यक्रम का समापन ऐ मेरे वतन के लोगों से किया तो हॉल में उपस्थित अधिकतर भारतीय संगीत प्रेमियों की आंखें भर आई थी यही था भारत कोकिला लता मंगेशकर के स्वरसाम्राज्य का असर! इन्ही उपलब्धियों के चलते लता मंगेशकर को भारत सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया था।

एक विशेष बात यह भी कि लता मंगेशकर ने हजारों गाने गाए है लेकिन उनका गाया पहला गाना कभी रिलीज ही नही हुआ। इस गाने का बोल था नाचूया गड़े छैलू सारी मनी हाउस। इस गाने को सदाशिवराव नेवरेकर ने मराठी फिल्म 30 साल के लिए 1942 में कंपोज किया था। गाना रिकॉर्ड हुआ लता की आवाज में लेकिन फिल्म के फाइनल कट में उसे हटा दिया गया, इसलिए वह गाना कभी रिलीज ही नही हो सका। इसका जिक्र लता जी ने भी कई बार किया है। आज उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए ऐसेऐसे प्रसंग सामने आ रहे है कि उनके जिक्र के लिए शब्द ही कम पड़ जाएंगे।

जब लता ने एक मौलाना से उर्दू पढ़ना शुरू किया

■ नई दिल्ली (भाषा)।

लता मंगेशकर को लेकर अक्सर लोगों के मन में एक सवाल उठता है कि एक मराठी भाषी गायिका ने उर्दू से परिचित नहीं होने के बावजूद इस भाषा में अपने उच्चारण को कैसे बेहतर किया? इसका उत्तर वर्ष 1947 में मिलता है, जब लता मंगेशकर पहली बार दिलीप कुमार से मिलीं और कुमार ने मंगेशकर के उर्दू उच्चारण को लेकर संदेह जताया। इसके बाद दिलीप की एक टिप्पणी ने उन्हें उर्दू सीखने के लिए एक मौलाना से पढ़ने को प्रेरित किया। मंगेशकर ने कुमार की आत्मकथा द सब्सटेंस एंड द शैडो में उर्दू के साथ अपने प्रयोगों को याद किया और कहा कि कुमार ने उन्हें अपनी पहली मुलाकात में ही अनजाने में और बिना सोचे समझे एक उपहार दिया था।

प्रसिद्ध संगीतकार अनिल बिस्वास ने एक लोकल ट्रेन में मंगेशकर को दिग्गज अभिनेता से मिलवाया था। वर्ष 1947 में हुई मुलाकात को याद करते हुए मंगेशकर ने लिखा कि बिस्वास ने उन्हें कुमार से यह कहते हुए मिलवाया, यह लता है बहुत अच्छी गाती है। इस पर कुमार ने जवाब दिया, अच्छा, कहां की है?

मंगेशकर ने पुस्तक में कहा, यूसुफ भाई की वो टिप्पणी, जब उन्हें पता चला कि मैं एक मराठी हूं, वह कुछ ऐसी है जिसे मैं संजोती हूं और इसने मुझे हिंदी और उर्दू भाषा में पूर्णता की तलाश को प्रेरित किया मैं इसमें कमजोर थी। उन्होंने बेहद सच कहा कि जो गायक उर्दू भाषा से परिचित नहीं थे, वे उर्दू के शब्दों के उच्चारण में हमेशा फंस जाते हैं और इससे श्रोताओं का मजा खराब हो जाता है।

गायिका ने कहा था कि इससे शुरुआत में तो उन्हें अफसोस हुआ। फिर मैंने टिप्पणी पर विचार किया और मुझे एहसास हुआ कि वह सही थे और उन्होंने इसे मेरे उच्चारण में सुधार करने के इरादे से कहा था। मंगेशकर ने कहा कि वह घर गई और एक पारिवारिक मित्र को बुलाया और तत्काल उर्दू सीखने की इच्छा जतायी और फिर एक विद्वान मौलाना से उर्दू सीखना शुरू किया।

चौथी जन चौपाल में बोले प्रधानमंत्री मोदी -भाजपा आई तो आपकी सुरक्षा होगी, ये आए तो पूरे होंगे गुंडों के सपने

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार का काम संभाल लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी ने सोमवार को चौथी जन चौपाल में बिजनौर, अमरोहा तथा मुरादाबाद के विधानसभा क्षेत्र के लोगों को संबोधित किया। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ बिजनौर से वर्चुअल कार्यक्रम से जुड़े। इन तीनों जिलों में दूसरे चरण में 14 फरवरी को मतदान होना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन चौपाल की शुरूआत मशहूर कवि दुष्यंत कुमार की लाइनों से की। उन्होंने कहा कि अपनी बात की शुरूआत मैं इस क्षेत्र के ही मशहूर कवि दुष्यंत कुमार जी की दो लाइनों से करूंगा। उन्होंने कहा था- यहां तक आते आते सूख जाती हैं कईं नदियां, मुझे मालूम हैं पानी कहां ठहरा हुआ होगा। इसके बाद उन्होंने कहा कि यह धरती, भगवान श्रीकृष्ण और पांडवों के श्रीचरणों की साक्षी है, महात्मा विदुर की कर्मभूमि और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अनेक वीर सपूत पैदा करने वाली इस धरती को मैं आदर पूर्वक नमन करता हूं। आज यहां बिजनौर के साथ ही अमरोहा और मुरादाबाद के साथी भी जुड़े हुए हैं। उनका भी मैं स्वागत करता हूं।

2017 से पहले यूपी में भी विकास की नदी का पानी ठहरा था: पीएम मोदी ने कहा दुष्यंत कुमार जी ने लिखा था, यहां तक आते आते, सूख जाती हैं कई नदियां, मुझे मालूम है पानी कहां ठहरा हुआ होगा। 2017 से पहले यूपी में भी विकास की नदी का पानी ठहरा हुआ था। ये पानी नकली समाजवादियों के परिवार में उनके करीबियों में ठहरा हुआ था। इन लोगों को सामान्य लोगों की प्यास गरीबी की प्यास से कभी मतलब नहीं रहा, सिर्फ अपनी प्यास बुझाते रहे, अपने करीबियों की प्यास बुझाते रहे और अपनी तिजोरियों की प्यास बुझाते रहे। बस अपना स्वार्थ सोचने वाली यही प्यास विकास की नदी के हर बहाव को सोख लेती है। अपना घर भर लेने की यही प्यास गरीबों को घर नहीं देने देती थी। अपनी जेबें भर लेने की यही प्यास गरीब का राशन चट कर जाती थी। प्रोजेक्ट लटकाकर कमाई करने की इसी प्यास से लालफीताशाही और लेटलतीफी को ताकत मिलती थी।

विकास कुछ ही इलाकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए : पीएम मोदी ने कहा कि पांच वर्ष में योगी आदित्यनाथ की सरकार का प्रयास रहा है कि विकास कुछ ही इलाकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसी सोच के साथ हमारी सरकार मुरादाबाद, बिजनौर, अमरोहा जैसे शहरों में भी कनेक्टिविटी बढ़ा रही है। करीब 500 किलोमीटर का दिल्ली लखनऊ इकोनामिक कारिडोर भी मुरादाबाद से ही होकर गुजरेगा। अलीगढा मुरादाबाद कारिडोर का काम तेजी से हो रहा है। मुरादाबाद बरेली कारिडोर भी पूरा होने जा रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे के रूप में इस इलाके को बहुत बड़ी सौगात मिलने जा रही है। बिजनौर से मुरादाबाद फोरलेन हाइवे पर तेजी से काम हो रहा है। योगीजी की सरकार ने पिछले पांच साल में इन इलाकों में बहुत से बड़े और जहां जरूर पड़ी, वहां छोटे भी पुल बनवाए। इनसे गंगा पार से आने जाने वाले किसानों का रास्ता भी आसान हुआ है। डबल इंजन सरकार ने सड़कें और रिंग रोड बनाकर यहां के लोगों की जिंदगी में रोजमर्रा की मुश्किलों को आसान किया है। बिजनौर में 300 करोड़ की लागत से महात्मा विदुर मेडिकल कालेज का काम तेजी से चल रहा है।

मुजफ्फरनगर में बोले सीएम- गौरव, सचिन और निर्दोष किसानों की हत्या के समय कहां थी दो लड़कों की जोड़ी

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना और खतौली में आयोजित भाजपा की सभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा-रालोद गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। कहा कि भाजपा के शासन में पांच सालों में एक भी दंगा नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्ष से हर तीर्थ स्थल का विकास कर रहे हैं। शुकतीर्थ के विकास के लिए और त्रेता युग की याद को ताजा करने के लिए सरकार हर प्रयास कर रही है । सपा और रालोद के लोग तो कब्रिस्तान का विकास करने के लिए भेजे गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चौधरी चरण सिंह देश के बड़े किसान नेता थे और हमेशा किसान के हितों की बात करते थे। चौधरी चरण सिंह रमाला चीनी मिल का आधुनिकीकरण और विस्तारीकरण चाहते थे। जिसके लिए सपा, बसपा और रालोद ने कुछ नही किया। हमने उनकी इच्छा को पूरा करते हुए रमाला मिल का आधुनिकीकरण किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पांच वर्ष पहले दंगे होते थे, बेटियां और माताएं सुरक्षित नहीं थी। तुष्टिकरण की नीति ने कैराना और कांधला से पलायन करा दिया 2013

में दंगे के बाद मैं पहला सांसद था जिसने संसद में सपा को घेरने का काम किया था । सचिन और गौरव जैसे वीर अपनी बहन की रक्षा करने गए थे तो उनकी हत्या कर दी। सचिन व गौरव अपनी बहन की रक्षा के लिए मारे गए, तब इन्हें जाट याद नहीं आए तब इन दो लड़कों की जोड़ी कहां थी। मुजफ्फरनगर की धरती पर निर्दोष लोगों को मरवाया गया। झूठे मुकदमे दर्ज कराए गए। यहां के किसानों पर गोलियां चलाई। तब यह दो युवकों की जोड़ी कहां चली गई थी। इन लोगों ने यहां के विकास को बाधित किया। जो लोग साढ़े चार साल अपने बिलों में घुसे रहे, चुनाव में अपने बिलों से बाहर निकले हैं। इसीलिए मैंने कहा था कि गर्मी शांत कर दूंगा। चुनाव के दौरान गरमी दिखाने की जरूरत नहीं है। सपा मुखिया कह रहे थे कि गरमी के बिना रह नहीं सकते, मैं उनसे पूछता हूं कि जब गौरव, सचिन और निर्दोष किसानों की हत्या हुई तब ये गरमी कहां चली गई थी। कहा कि आपको कर्फ्यू वाली सरकार चाहिए या कांवड़ यात्रा वाली सरकार चाहिए। जब कांवड़ यात्रा पर रोक लगाई गई थी तब दो लड़कों की जोड़ी कहां थी चुनाव के समय इन लड़कों की जोड़ी आती है फिर गायब हो जाती है।

बीजेपी विधायक सुरेंद्र सिंह का कटा टिकट, लड़ेंगे निर्दलीय चुनाव

बलिया। भाजपा ने यूपी विधानसभा चुनाव के लिए अपने 45 प्रत्याशियों की 8वीं लिस्ट जारी की। नई लिस्ट में बलिया के बैरिया से भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह का टिकट कट गया है। पार्टी ने बलिया नगर से विधायक और मंत्री रहे स्वरूप शुक्ला को बैरिया से उतारा है। चर्चा में रहने वाले बीजेपी विधायक सुरेंद्र सिंह ने अब निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। बताया जा रहा है कि 8 फरवरी को सुरेंद्र सिंह नामांकन करेंगे। बैरिया विधानसभा सीट से अपने विवादित बयानों को लेकर सुरेंद्र सिंह खबरों में रहते हैं। भाजपा के वर्तमान विधायक सुरेंद्र सिंह आरएसएस के पदाधिकारी रहे हैं। उनकी छवि किसी से न दबने वाली है। भरत सिंह के सांसद बनने के बाद पार्टी ने 2017 में उन्हें यहां से टिकट दिया था। भरत फिलहाल किसी सदन के सदस्य नहीं हैं। माना जा रहा है कि इस चुनाव में वह भी दावेदारी करेंगे। वर्तमान में बलिया से वीरेंद्र सिंह मस्त सांसद हैं। बताया जा रहा है कि सुरेंद्र सिंह की वीरेंद्र सिंह मस्त से भी पटरी नहीं खाती। दोनों की अदावत कई बार सड़कों पर भी दिख चुकी है। भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह को 64868 वोट मिले थे। 47791 वोट लेकर निवर्तमान विधायक व समाजवादी पार्टी प्रत्याशी जयप्रकाश अंचल दूसरे स्थान पर थे। तीसरे नंबर पर रहे बसपा के जवाहर को 27974 वोट मिले थे। साढ़े तीन लाख से अधिक मतदाताओं वाली बैरिया विधानसभा सीटपर क्षत्रिय और यादव वोटरों का वर्चस्व है। यादव मतदाता जहां लगभग 85 हजार हैं, वहीं क्षत्रिय मतदाताओं की संख्या भी 80 हजार के करीब है। दलित वोटर 60 हजार और ब्राह्मण वोटर करीब 40 हजार हैं।

अखिलेश यादव का डैमेज कंट्रोल, अपना दल कमेरावादी पार्टी को सात सीट, सपा के सिंबल पर लड़ेंगी पल्लवी

लखनऊ। छोटे दलों के साथ गठबंधन पर उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में उतरी समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव डैमेज कंट्रोल में भी माहिर हैं। अपना दल कमेरावादी पार्टी के साथ सीटों को लेकर तालमेल गड़बड़ होने पर पल्लवी पटेल के साथ अन्य ने भी नामांकन से इन्कार कर दिया था। मामला तूल पकड़ने पर अखिलेश यादव ने मोर्चा संभाला और अपना दल कमेरावादी पार्टी को सात सीट देने पर राजी हैं। इसके साथ ही केन्द्र सरकार में मंत्री अनुप्रिया पटेल की बहन पल्लवी पटेल को समाजवादी पार्टी का चुनाव चिन्ह भी दिया है। अखिलेश यादव से सोमवार को भेंट करने के बाद पल्लवी पटेल अब प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ कौशांबी के सिराथू से नामांकन करने पर राजी हैं। पल्लवी पटेल समाजवादी पार्टी के सिंबल यानी साइकिल चुनाव चिन्ह लेकर मैदान में उतरेंगी। समाजवादी पार्टी और

अपना दल कमेरावादी पार्टी के बीच सात सीटों पर बात बनने के बाद पल्लवी पटेल सिराथू से चुनाव मैदान में उतरने को तैयार हैं। पल्लवी पटेल पाचवें चरण के मतदान वाले क्षेत्र में नामांकन के अंतिम दिन मंगलवार को समाजवादी पार्टी के सिंबल पर नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। उनके नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान पूर्व सांसद और सपा मुखिया अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव भी मौजूद रह सकती हैं। सिराथू सीट से भाजपा के प्रत्याशी उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य हैं।

सपा से निष्कासितः समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर बरेली के आंवला क्षेत्र के निवासी पूर्व ब्लाक प्रमुख डा.जीराज यादव को पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने के कारण अनुशासनहीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से सपा से निष्कासित कर दिया गया है। यह जानकारी सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने दी है।

मतदान से ठीक पहले सपा को लगा बड़ा झटका, संदीप बंसल सहित कई नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधनसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को है। ऐसे में मतदान से ठीक पहले सपा को झटका देते हुए अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री संदीप बंसल अपने कई पदाधिकारियों समेत रविवार को भाजपा में शामिल हो गए। इसके साथ ही सपा, बसपा व कांग्रेस के तमाम नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। कई नेताओं ने छोड़ा सपा का साथः भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पार्टी के ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष डा. लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने संदीप बंसल, व्यापार मंडल के राष्ट्रीय मंत्री रिपन कंसल, प्रदेश महामंत्री सतीश सर्राफ (शाहजहांपुर), युवा प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता (रायबरेली), उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के महामंत्री प्रदीप अग्रवाल, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष विमल विरमानी, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष शेषपाल गर्ग, राकेश जैन (वाराणसी), उपेन्द्र नाथ त्रिपाठी (देवरिया), बलराम अग्रवाल (गोरखपुर), सुरेश सुधरानियां (गोरखपुर), शिव कुमार अग्रवाल, अनिल उपाध्याय, सुरेश छबलानी, आकाश गौतम, पवन गौतम भाजपा में शामिल हुए। बसपा और कांग्रेस के नेता भी भाजपा में हुए शामिलः सपा के वरिष्ठ नेता व प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री अवधेश वर्मा (शाहजहांपुर), बसपा के पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री तारकेश्वर उपाध्याय (आजमगढ़), कांग्रेस की प्रदेश महासचिव व पूर्व विधानसभा प्रत्याशी हंसमुखी शंखवार, महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष मधु पाठक, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी प्रेम शंकर शर्मा (इटावा), लोकदल से इटावा के जिलाध्यक्ष कमलेश पांडेय, मंडल अध्यक्ष मनोज चौधरी, मंडल कोषाध्यक्ष आनंद वर्धन तिवारी, लोकदल व्यापार मंडल इटावा के अध्यक्ष पवन गुप्ता, शान्ति स्वरूप विधोहिया और अक्षय चौधरी ने मोदी-योगी की नीतियों में भरोसा जताते हुए भगवा पटका पहन लिया।

लखनऊ की सरोजनीनगर सीट पर दिलचस्प होगा मुकाबला

लखनऊ। सरोजनीनगर की हाई प्रोफाइल स्वीट एक बार फिर चर्चा में आ गई है । 2 दिन पहले ही भाजपा में शामिल होने वाले शारदा प्रताप शुक्ला ने आज अपना नाम वापस नहीं लिया। सपा सरकार में मंत्री रहे शारदा टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर भाजपा में शामिल हुए थे। भाजपा उम्मीदवार और पूर्व आइपीएस अधिकारी राजेश्वर सिंह से मुलाकात के दौरान उन्होंने भाजपा को समर्थन देने की बात कही थी। लेकिन, सात फरवरी को नाम वापसी का अंतिम दिन था और दोपहर तीन बजे तक शारदा प्रताप शुक्ला अपना नाम वापस लेने नहीं आए। अब पूर्व मंत्री निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सरोजनीनगर विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा में शामिल होने के बाद भाजपा प्रत्याशी के लिए किस तरह समर्थन मांगते हैं, जबकि वह खुद उसी सीट से निर्दलीय के रूप में उम्मीदवार हैं। यह भारतीय जनता पार्टी और सपा दोनों के लिए झटका कहा जा सकता है।

यूपी की 36 सीटों पर विधान परिषद चुनाव की तारीखों में बदलाव

लखनऊ। यूपी की 36 सीटों पर होने वाले विधान परिषद चुनाव की तारीखों में बदलाव हो गया है। राज्य चुनाव आयोग के नये आदेश के मुताबिक, अब 15 मार्च को नामांकन होगा और 9 अप्रैल को मतदान की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद 12 अप्रैल को नतीजे आएंगे। यही नहीं, राज्य चुनाव आयोग की इस घोषणा से राजनीतिक दलों ने भी राहत की सांस ली है, क्योंकि इस वक्त सभी विधानसभा चुनाव के प्रचार में व्यस्त हैं। इससे पहले चुनाव आयोग ने दो चरण (3 मार्च और 7 मार्च) में चुनाव कराने का ऐलान किया था। जबकि नतीजे 12 मार्च को आने थे। यूपी राज्य चुनाव आयोग का मानना है कि विधानसभा चुनाव 2022 में राजनीतिक दलों की व्यस्तता के कारण विधान परिषद की तारीखों को को बदला गया है। दरअसल विधानसभा के साथ विधान परिषद के चुनाव कराना चुनाव आयोग के लिए बड़ी चुनौती था। बहरहाल विधान परिषद के चुनाव में नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतें, जिला पंचायतें, क्षेत्र पंचायतें और छावनी बोर्ड के सदस्य मतदान करते हैं। वर्ष 2016 के चुनाव में कुल 1,27,491 मतदाता थे। इस दौरान यह चुनाव 938 मतदान केंद्रों पर हुआ था। जानकारी के मुताबिक, इस बार के चुनाव में यह संख्या करीब 1।40 लाख हो सकती

अब 15 मार्च को नामांकन और 9 अप्रैल को मतदान नतीजे 12 अप्रैल को आएंगे

है। इसके अलावा 2016 में 30 जनवरी को इसका कार्यक्रम जारी हुआ था और 3 मार्च को नतीजे आए थे। जबकि सदस्यों ने 7 मार्च को शपथ ली थी। इसके हिसाब से इनका कार्यकाल 7 मार्च को खत्म होगा। विधान परिषद सदस्य 6 साल के लिए चुने जाते हैं। साल 2016 में समाजवादी पार्टी ने 31 सीटें जीतकर विधान परिषद में बहुमत हासिल कर लिया था। यही नहीं, इस दौरान उसके 8 और बसपा के 2 प्रत्याशी निर्विरोध जीते थे। यूपी उच्च सदन में इस समय सपा के 48, भाजपा के 33 और बसपा के 6 सदस्य हैं। सत्तारुढ़ भाजपा इन चुनावों में अधिक से अधिक सीटें जीतकर विधान परिषद में बहुमत हासिल करना चाहेगी। राज्य चुनाव आयोग के मुताबिक, यूपी के मेरठ-गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर-सहारनपुर, लखनऊ-उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़, सुलतानपुर, बाराबंकी, बहराइच, गोंडा, फैजाबाद, बस्ती-सिद्धार्थनगर, गोरखपुर-महराजगंज, देवरिया, आजमगढ़-मऊ, बलिया, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, मीरजापुर-सोनभद्र, इलाहाबाद, बांदा-हमीरपुर, झांसी-जालौन-ललितपुर, कानपुर-फतेहपुर, मुरादाबाद-बिजनौर, रामपुर-बरेली, बदायूं, पीलीभीत-शाहजहांपुर, हरदोई, खीरी, सीतापुर, इटावा-फरुर्खाबाद, आगरा-फिरोजाबाद, मथुरा-एटा-मैनपुरी, अलीगढ़ और बुलंदशहर सीटों पर चुनाव होना है। इसके लिए भाजपा, सपा और बसपा के कड़ी टक्कर होने की उम्मीद हैं।

भाजपा ने काटा विधायक बैजनाथ रावत का टिकट

बाराबंकी। भाजपा ने बाराबंकी जिले की हैदरगढ़ विधानसभा सीट से मौजूदा विधायक बैजनाथ रावत का टिकट काट दिया है। अपनी टिकट काटने पर बीजेपी विधायक का दर्द छलक पड़ा और उन्होंने पार्टी आलाकमान पर सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या दलित समाज होने के चलते उनका टिकट काटा गया। दरअसल बीजेपी ने रावत को छोड़कर बाराबंकी जिले के अपने सभी मौजूदा विधायकों को फिर से उम्मीदवार बनाया है और रावत के दर्द की बड़ी वजह यही प्रतीत होती है। रावत ने सवाल किया, क्या अयोध्या मंडल के 5-6 जिलों में एक भ्रष्ट विधायक मैं ही था। वह कहते हैं, पांच सालों तक पूरी ईमानदारी से किया काम, सबका साथ और सबका विकास का सिद्धांत अपनाया। क्या इसलिए टिकट मेरा टिकट काटा गया। विधायक रावत ने क्षेत्रीय भाजपा नेताओं पर उनके खिलाफ मुहिम चलाने का आरोप लगाया और कहा कि छह महीने पहले सपा से भाजपा में आने वाले नेता को पार्टी में टिकट दे दिया।

सहारनपुर में बोले अखिलेश-लोग बदलाव चाहते हैं, इस बार होगा भाजपा का सफाया

सहारनपुर। सहारनपुर में सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने कहा कि हवा चल रही। लोग बदलाव चाहते। युवा, व्यापारी सभी बदलाव चाहते हैं। माहौल को देखकर कह सकते कि भाजपा का सफाया हो रहा। आज अपने प्रत्याशियों को जिताने के लिए यहां आया हूँ। ऐतिहासिक वोट मिलेंगे। सपा ने अपने घोषणा पत्र कहा कि 300 यूनिट फ्री होगी। किसानों को फ्री बिजली। पुरानी पेंशन लागू करेंगे। गन्ना भुगतान के लिए एक फंड बनाएंगे। किसानों को धरना नहीं देना होगा। 15 दिन में भुगतान कराएंगे। एमएसपी को निश्चित करेंगे। मंडी को बढ़ावा देंगे। कहा कि सहारनपुर में लकड़ी को लेकर इतना बड़ा काम कहि नहीं होता। वुडकार्विंग एक्सपोर्ट को संस्था बनेगी। प्रशिक्षण की व्यवस्था होगी। एग्जीबिशन लगेगी लकड़ी की। मशीनें दी जाएंगी लकड़ी कारोबारियों को। एक्सपोर्ट को बढ़ावा देंगे। मां शाकम्भरी देवी को प्रणाम किया। देवबन्द का नाम लिया। मिली जुली संस्कृति है। मेडिकल कालेज को उच्चीकृत किया जाएगा। पीजीआई को उसका स्तर दिलाया जाएगा। जितना बड़ा भाजपा नेता उतना बड़ा झूठ बोलता है। भाजपा लगातार झांसा दे रही। भाजपा का नाम भारतीय झांसा पार्टी होना चाहिए। महिला सुरक्षित हैं। मायावती जी के साथ गठबंधन हुआ। जब लोकसभा में कोई मुस्लिम नहीं था तब मैने भेजा। किसी मुख्यमंत्री पर इतनी धाराएं नहीं लगे। भाजपा के तमाम ऐसे लोग जिन पर गंभीर आरोप हैं। चुनाव आयोग से कहूंगा कि अधिकारी भाजपा के कार्यकर्ता बनकर काम करेंगे। ललितपुर से लेकर सहारनपुर तक अधिकारी अपनी मर्जी से वोट डलवा रहे। भाजपा से बड़ा झूठा कोई नहीं। अटल जी के नाम पर मेडिकल यूनिवर्सिटी नहीं बन पाई। मां शाकम्भरी के नाम पर चुनाव के वक्त यूनिवर्सिटी बन रही। ये लोग अपने नेता के नाम पर यूनिवर्सिटी नहीं बना पा रहे। लखनऊ में अटल यूनिवर्सिटी। माता के नाम पर बनी यूनिवर्सिटी का नाम नहीं बदलेगा। भाजपा बताये मीट का एक्सपोर्ट बढ़ा या नहीं। 700 किसान शहीद। एटीएस सेंटर का बजट नहीं पास किया।

बागपत में बोले जयंत, चौधरी साहब की खोई विरासत को पाना है

बागपत। रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर करारा हमला बोला। उन्होंने लोगों से कहा कि गर्मी कम मत होने देना। हमें चौधरी साहब की खोई हुई विरासत को पाने के लिए आगे बढ़ाना है। सोमवार शाम करीब 4 बजे जयंत चौधरी ने एमजीएम इंटर कॉलेज ढिकोली में पार्टी के बागपत के प्रत्याशी नवाब अहमद हमीद के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने भावनात्मक कार्ड खेलते हुए कहा कि योगी जी बताएं क्या मैं गुंडा था जो मुझ पर हाथरस में लाठी चलवाई। प्रदेश में सपा रालोद गठबंधन की सरकार बनने पर हम बिना भेदभाव के सबके लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि इस बार चुनाव में चूक गए तो किसान हार जाएगा। फिर इस देश में कभी आंदोलन नहीं होगा। उन्होंने अहमद हमीद को चुनाव जिताने की अपील की। जयंत चौधरी ने कहा कि हम कमजोर योगी नफरत भरे भाषण और लट्ठमार शासन दे रहे हैं।

डीजे बाजा के साथ निकली प्राण-प्रतिष्ठा के लिए शोभायात्रा

चिरैयाकोट, मऊ। स्थानीय नगर के मुबारकपुर वार्ड न०7 के राम लक्ष्मण जानकी मंदिर व खाकीबाबा कुटी ट्रस्ट पर आयोजित कार्यक्रम में भगवान राम, लक्ष्मण, जानकी, हनुमान, राधा, कृष्ण, शिवलिंग

पार्वती, कार्तिकेय तथा गणेशजी के प्रतिभाओं का प्राण प्रतिष्ठा 7 फरवरी दिन सोमवार को सुबह 9 बजे से किया जाना सुनिश्चित है। जिसके लिए 6 फरवरी दिन रविवार को मंदिर परिसर से गाजे-बाजे के साथ महिलाओं व पुरुषों के साथ प्राण-प्रतिष्ठा के लिए मूर्तियों को लेकर शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें नगर क्षेत्र से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। शोभायात्रा खाकीबाबा कुटी से प्रारंभ होकर डीह बाबा के से होकर अब्दोपुर से मानपुर में स्थित ब्रम्ह बाबा के स्थान पर और मानपुर में स्थित काली माता की मंदिर के महतवाना मुहल्ला से कोईरता में स्थित शिवाला से वापस होकर चैक से मुहम्मदाबाद रोड पर स्थित वलीनगर शिव लिंग पर पूजा पाठ करते हुए पुनः चैक से होकर थाना परिसर में स्थित मंदिर में पूजा करने के तकिया रोड युसूफाबाद में स्थित प्राचीन भगवान शिव, हनुमान जी के मंदिर पर पूजा-पाठ करने के बाद शोभायात्रा वहां से निकलकर खाकीबाबा कुटी पर पहुंचकर शोभायात्रा का समापन हुआ। इस कार्यक्रम के आयोजक मंडल में अध्यक्ष अविनाश लाल श्रीवास्तव उपाध्यक्ष, विजय उपाध्याय मनोज कुमार वर्मा, तथा मुख्य यजमान फूलचंद वर्मा, अमित वर्मा, संतोष उपाध्याय, सुभाष लाल श्रीवास्तव, सुभाषचंद्र जायसवाल, रामकुमार जायसवाल, निर्जल चैरसिया, श्रवण मद्धेशिया, संदीप प्रजापति, यशवंत पान्डेय, रामजी पाण्डेय, संदीप मद्धेशिया, दिपक गुप्ता, राजकुमार मौर्या नितिश गुप्ता आदि लोग शामिल रहे।

कृष्ण जन्मोत्सव की कथा में मगन लोग नाच उठे

माहुल (आजमगढ़)। फूलपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा पाकड़पुर के दुर्गा मंदिर पर सात दिवसीय भव्य संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा में रविवार को श्रोता भावविभोर हो उठे। मां दुगार्जी एवं श्रीकृष्ण के जयकारे से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुन श्रद्धालु ऐसे मगन हुए कि खुशी से झूमते नाचने लगे। आयोजन के पांचवें वें दिन रविवार को प्रवचनकर्ता कौशिक महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा विस्तार से सुनाए तो लोग भक्ति रस में गोता लगाने लग गए। श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर संगीतमयी कथा वर्णन किए। श्रीकृष्ण के जन्म होने पर सोहर गीत

महिलाओं ने प्रस्तुत किया गया। उस समय श्रद्धालु महिलाए खुशी से नाचने लगी । कथावाचक कौशिक महाराज ने कहाकि भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण धर्म की स्थापना एवं दुष्टों के संहार के लिए हुआ था। भगवान श्रीकृष्ण ने बाल्यकाल से ही कंस के अत्याचार को समाप्त करने के लिए लीला शुरू कर दी थी। श्रीमद्भागवत कथा में अनेक आसुरी शक्तियों को समाप्त कर डालने की लीला वर्णित है। भक्तिमय जयकारे से पूरा क्षेत्र कथा के दौरान गुंजायमान होता रहा। अरुण उपाध्याय, ओम प्रकाश जायसवाल, अभिषेक पांडेय, कविता, पूनम, आशु जायसवाल, राहुल यादव, हरकेश यादव, विपिन उपाध्याय, देवेंद्र उपाध्याय इत्यादि रहे ।

रघवली ने सुलतानीपुर को 41 रन से हराकर बनी विजेता

मधुबन, मऊ। तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा खैरा नासिर के तिलक इंटर कॉलेज के ग्राउंड में तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ग्राम सभा खैरा नासिर के क्रिकेट क्लब द्वारा यह आयोजन कराया गया। जिसमें फाइनल मुकाबला सुलतानीपुर व रघवली के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिला जिसमें रघवली के टीम ने 12 ओवरों में 131 रन निर्धारित लक्ष्य दिया। जिसमें सुलतानीपुर की टीम ने 12 ओवर में आठ विकेट पर 91 बना पाया जिसमें रघवली की टीम ने 41 रन से मैच पर जीत प्राप्त कर लिया जिसमें मैन ऑफ द मैच मैन ऑफ द सीरीज धीरज शर्मा को दिया गया वही विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 3000 नगद पुरस्कार दिया गया वही उपविजेता को ट्रॉफी के साथ 15 सो रुपए नगद पुरस्कार दिया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के मधुबन नगर चेयरमैन प्रतिनिधि शंकर मद्धेशिया द्वारा विजेता टीम को 1000 नगद पुरस्कार एवं उपविजेता को 500 नगद पुरस्कार देकर खिलाड़ियों के हौसला अफजाई किया गया। इस मौके पर बलवंत चैधरी, गोलू सभासद, दिलीप गुप्ता, दुर्गेश गुप्ता, अनुज चंद्रा, चंदन प्रसाद, प्रदीप गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, पतरू गुप्ता, राजेश राजभर, जय प्रकाश उर्फ मुन्ना गुप्ता, दिनेश गुप्ता, राजेश गुप्ता ने किया कार्यक्रम को कराया कॉमेंटेटर राजेश राजभर एवं स्कोरर पतरू गुप्ता रहे। टूनार्मेंट कमेटी के सदस्यों में अनिल गुप्ता के नेतृत्व में

यह टूनार्मेंट का आयोजन किया गया था। मुख्य अतिथि चेयरमैन प्रतिनिधि मद्धेशिया ने सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण करने के बाद बहन लता मंगेशकर के शोक सभा के लिए 2 मिनट का मौन धारण कराया।

1000वें मैच में भारतीय टीम की दमदार जीत

रोहित की कप्तानी का शानदार आगाज, मिली साल की पहली जीत

अहमदाबाद (एजेंसी)। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल (49 रन पर चार विकेट) और ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर (30 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी और कप्तान रोहित शर्मा की 60 रन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने पहले वनडे में वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। भारतीय टीम का यह 1000 वां वनडे मैच था। भारत ने वनडे में 519 मैच जीते हैं।

भारत ने विंडीज को 43.5 ओवर में 176 रन पर निपटा दिया और फिर लक्ष्य को 28 ओवर में चार विकेट पर 178 रन बनाकर हासिल कर लिया। भारत ने 132 गेंद शेष रहते मैच समाप्त कर दिया। लक्ष्य ज्यादा बड़ा नहीं था और भारत को इसे हासिल करने में कोई परेशानी नहीं हुई। कप्तान रोहित और इशान किशन ने 84 रन की जोरदार शुरुआत की। लेकिन इसके बाद रोहित शर्मा 60, विराट आठ और ईशान किशन 28 रन बनाकर पवेलियन लौट गए और इसके एक रन बाद ऋषभ पंत भी दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से रन आउट हो गए। पंत ने 11 रन बनाए। चार विकेट 116 रन पर गिर जाने के बाद भारतीय टीम पर दबाव आ गया इसके बावजूद सूर्यकुमार यादव और पदार्पण मैच खेल रहे दीपक हुड्डा ने मोर्चा संभाला और भारत को 28 ओवर में जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। सूर्या ने 34 और दीपक 26 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले वेस्टइंडीज ने एक समय पर 79 रन तक अपने सात विकेट गंवा दिए लेकिन होल्डर और फेबियन ने आठवें विकेट के लिए 78 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। होल्डर ने 57 रन बनाए। विंडीज के शीर्ष क्रम में डैरेन ब्रावो और निकोलस पूरन ने 18-18 रन बनाए।

चहल सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय स्पिन गेंदबाज

युजवेंद्र चहल ने पहले वनडे में 4 विकेट झटके। उन्होंने भारत निकोलस पूरन को आउट करते करते हुए वनडे क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे किए और इस आंकड़े तक सबसे तेज पहुंचने वाले 5वें भारतीय, जबकि दूसरे स्पिन गेंदबाज बने।

100 विकेट वाले भारतीय गेंदबाज	
56 मैच	मोहम्मद शमी
57 मैच	जसप्रीत बुमराह
58 मैच	कुलदीप यादव
59 मैच	इरफान पठान
60 मैच	युजवेंद्र चहल

स्कोर बोर्ड

वेस्टइंडीज	रन	गेंद	4	6
शाई होप बो. सिराज	08	10	2	0
ब्रैंडन किंग कै. सूर्यकुमार बो. सुंदर	13	26	2	0
डैरेन ब्रावो पगबाधा सुंदर	18	34	3	0
शमार ब्रूक्स कै. पंत बो. चहल	12	26	0	0
निकोलस पूरन पगबाधा चहल	18	25	3	0
कीरोन पोलार्ड बो. चहल	0	01	0	0
जेसन होल्डर कै. पंत बो. कृष्णा	57	71	0	4
अकील हुसैन कै. पंत बो. कृष्णा	0	03	0	0
फेबियन एलिन कै एवं बो. सुंदर	29	43	2	0
अल्जारी कै. सूर्यकुमार बो. चहल	13	16	1	1
केमार रोच नाबाद	0	08	0	0

अतिरिक्त: 8, कुल: 43.5 ओवर में 176 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-13, 2-44, 3-45, 4-71, 5-71, 6-78, 7-79, 8-157, 9-167, 10-176 **गेंदबाजी:** मोहम्मद सिराज 8-2-26-1, प्रसिद्ध कृष्णा 10-0-29-2, वॉशिंगटन सुंदर 9-1-30-3, शार्दुल ठाकुर 7-0-38-0, युजवेंद्र चहल 9.5-0 -49-4,

भारतीय पारी	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा पगबाधा जोसेफ	60	51	10	1
ईशान किशन कै. ऐलेन बो. हुसैन	28	36	2	1
विराट कोहली कै. रोच बो. जोसेफ	08	04	2	0
ऋषभ पंत रन आउट	11	09	2	0
सूर्यकुमार नाबाद	34	36	5	0
दीपक हुड्डा नाबाद	26	32	2	0

अतिरिक्त: 11, कुल: 28 ओवर में चार विकेट पर 178 रन **विकेट पतन:** 1-84, 2-93, 3-115, 4-116 **गेंदबाजी:** केमार रोच 5-0-41-0, जेसन होल्डर 5-0-29-0, अल्जारी जोसेफ 7-0-45-2, अकील हुसैन 9-0-46-1, फेबियन ऐलेन 2-0-14-0,

विराट कोहली ने वनडे क्रिकेट में रचा इतिहास

भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली पहले मैच में सिर्फ आठ रन ही बना सके। विराट कोहली भारत की सरजमीं पर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 5 हजार रन सबसे तेज पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। विराट कोहली ने 96वीं पारी में ये कमाल कर दिया, जबकि इससे पहले यह विश्व रिकॉर्ड मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज था। सचिन तेंदुलकर ने 120 पारियों में घर पर 5000 वनडे रनों का आंकड़ा पार किया था। अपनी सरजमीं पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर सबसे आगे हैं। सचिन ने 6976 रन एकदिवसीय क्रिकेट में भारत में बनाए हैं। वहीं रोहित शर्मा भारत के लिए पारी की शुरुआत करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में वे तीसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने 7298 रन पूरे करते ही वीरेंद्र सहवाग (7240) रन को पीछे छोड़ा।

लता के सम्मान में काली पट्टी बांध कर खेले खिलाड़ी

प्रतिष्ठित गायिका लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी रविवार को वेस्ट इंडीज के खिलाफ पहले वनडे में अपनी बांह पर काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे। लता मंगेशकर का रविवार को 92 साल की उम्र में निधन हो गया।

तेंदुलकर ने लता मंगेशकर को दी अंतिम श्रद्धांजलि

कहा, उनके साथ मेरे जीवन का भी एक हिस्सा चला गया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने रविवार को महान गायिका लता मंगेशकर को अंतिम श्रद्धांजलि दी। लंबे समय तक बीमार रहने के बाद छह फरवरी की सुबह लता जी का निधन हो गया।

सचिन मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल पहुंचे, जहां महान गायिका ने अंतिम सांस ली। सचिन लता मंगेशकर को अपनी मां का दर्जा देते थे। उनके और लता के संबंधों की कई कहानियां चर्चित हैं। सचिन ने लता मंगेशकर के निधन पर शोक जाहिर करते हुए ट्विटर पर लिखा मैं लता दीदी के जीवन का हिस्सा बनने के लिए खुद को भाग्यशाली मानता हूं। उन्होंने हमेशा मुझे प्यार और आशीर्वाद दिया। उनके जाने से मेरा भी एक हिस्सा खोया हुआ महसूस होता है। वह हमेशा अपने संगीत के माध्यम से हमारे दिलों में जीवित रहेंगी। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर लता मंगेशकर को मां के समान प्यार करते थे और कई बार सचिन ने ये स्वीकार किया कि उन्हें लता मंगेशकर जी में अपनी मां नजर आती हैं। लता मंगेशकर ने सचिन तेंदुलकर को भारत रत्न दिए जाने की वकालत की थी। सचिन ने भी कई बार सार्वजनिक तौर पर लताजी के प्रति अपना सम्मान जाहिर किया था। सचिन अक्सर कहते थे कि जब वह क्रिकेट की पिच पर खराब दौर से गुजरते थे तब उन्हें लता मंगेशकर से खूब मार्गदर्शन मिला। आज से 12 साल पहले लता मंगेशकर ने कहा था, मेरे लिए वह असली भारत रत्न हैं। उन्होंने जो देश के लिए किया है वह बहुत कम लोग कर पाते हैं। वह इस सम्मान के हकदार हैं। उन्होंने हम सबको गर्व महसूस करवाया है। उन्होंने सचिन के साथ अपने रिश्तों के बारे में कहा था, सचिन मुझे मां की तरह मानते हैं और मैं हमेशा मां की तरह उनके लिए प्रार्थना करती हूं। मैं वह दिन कभी नहीं भूल सकती जब उन्होंने पहली बार मुझे आई (मां) कहा था। मुझे इसकी उम्मीद नहीं थीं। यह मेरे लिए हैरान करने वाला था और उन जैसा बेटा पाकर मैं खुद को खुशकिस्मत समझती हूं।

1983 विश्व कप जीतने वाली टीम के लिए फ्री में किया था कंसर्ट

भारत पहली बार 1983 में वर्ल्ड कप में जीतने में सफल रहा था। उस वर्ल्ड कप से जुड़ा एक रोचक वाकया लता जी से जुड़ा हुआ है। वर्ल्ड कप फाइनल से पहले उन्होंने टीम को रात के खाने पर आमंत्रित किया था। लता जी ने लॉर्ड्स में खेले भारत और वेस्टइंडीज के फाइनल को लाइव देखा था। उन्होंने चैंपियन बनने के बाद भारतीय टीम को फिर से खाने पर बुलाया था। उस समय बीसीसीआई के पास विजेता टीम को पुरस्कार राशि देने के लिए रुपए नहीं थे। लता दीदी ने लंदन से आने के बाद दिल्ली के इंद्रप्रस्थ स्टेडियम में आयोजित एक संगीत कार्यक्रम में भाग लिया था और 20 लाख रुपए जुटाए थे। यह 4 घंटे का कंसर्ट था। सुनील गावस्कर और कपिल देव उनके पास खड़े नजर आए थे। इतना ही नहीं उनके भाई हृदयनाथ ने विशेष रूप से एक गीत की रचना की, जिसे टीम के सभी सदस्यों ने गाया था। कंसर्ट के बाद टीम के सदस्यों को एक-एक लाख रुपए दिए गए। उस जमाने में खिलाड़ियों को कम पैसे मिलते थे। बीसीसीआई के तरफ से मिले थे। बीसीसीआई भारत में खेले जाने वाले हर अंतर्राष्ट्रीय मैच में उनके लिए हमेशा दो टिकट रिजर्व रखता था।

क्रिकेट जगत ने जताया शोक

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट बिरादरी ने लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त किया। बीसीसीआई ने ट्वीट किया, भारत रत्न लता मंगेशकर जी के निधन के शोक में बीसीसीआई देश के साथ है। संगीत की रानी ने दशकों तक देश को मंत्रमुग्ध किया। वह खेल की एक उत्साही फॉलोवर और टीम इंडिया की प्रबल समर्थक थीं, उन्होंने संगीत के माध्यम से जागरूकता पैदा करने में मदद की। वहीं, भारतीय क्रिकेट बिरादरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपना दुख और दुख व्यक्त किया। अपने आधिकारिक ट्विटर प्रोफाइल पर भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने मंगेशकर के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। भारत के पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने भी दिवंगत गायक को श्रद्धांजलि दी। लक्ष्मण ने लिखा, उनकी आवाज और धुन अमर रहेगी। उनके परिवार, दोस्तों और दुनिया भर में लाखों प्रशंसकों के प्रति संवेदना। पूर्व क्रिकेटर वीरेन्द्र सहवाग ने लिखा भारत की स्वर कोकिला, एक आवाज जो गूंजती रहेगी, जो दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए खुशी और आनंद लेकर आई। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना। शिखर धवन ने लिखा आपके संगीत ने हमारी आत्मा को छू लिया और हमारे मुस्कुराने की वजह बना। लता मंगेशकर जी भगवान आपकी आत्मा को शांति दे। आपकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगी।

पाक क्रिकेटरों ने भी जताया शोक: पाकिस्तान के क्रिकेटरों ने सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के निधन पर गहरा शोक जताया है। पीसीबी के अध्यक्ष रमीज राजा ने ट्वीट कर कहा, लता मंगेशकर दया, विनम्रता और सादगी की प्रतीक थीं और इसलिए वह महान थीं। सभी के लिए एक सबक। मीज राजा के अलावा पर्व कप्तान वकार यूनिस, पाक टीम के कप्तान बाबर आजम और पूर्व महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सना मीर ने भी शोक जताया।

आरएनटीयू लगातार तीसरी बार बना चैंपियन

गवर्नमेंट ग्रुप में डीजीपी इलेवेन की खिताबी जीत

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित आरएनटीयू चैम्पियन्स ट्रॉफी के कॉर्पोरेट ग्रुप और गवर्नेंट ग्रुप में आरएनटीयू और डीजीपी इलेवन चैंपियन बनी। कारपोरेट ग्रुप में फाइनल मुकाबला आरएनटीयू भोपाल व इलाईट क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। फाइनल मुकाबले में बतौर मुख्य अतिथि बृजेश तोमर, सेलेक्टर एमपीसीए और पूर्व रणजी कैप्टन मध्य प्रदेश, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ विजय सिंह, महावीर उपाध्याय, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी आईसेक्ट ग्रुप विशेष रूप से उपस्थित थे। आरएनटीयू भोपाल के बल्लेबाज ऋत्विक चौबे के 26 गेंद पर 38 रन की मदद से 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 155 रन बनाए। इलाइट क्रिकेट क्लब के गेंदबाज अभिषेक वर्मा ने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इलाईट क्रिकेट क्लब की पूरी टीम मात्र 70 रन पर ऑलआउट हो गई। आरएनटीयू भोपाल गेंदबाज शुभम सोलंकी ने 2.4 ओवर में 10 रन देकर 3 विकेट झटके। फाइनल मुकाबले में आरएनटीयू भोपाल के ऑलराउंडर अंबार हसन 22 रन और 1 विकेट को मैन ऑफ द मैच दिया गया। आरएनटीयू भोपाल ने फाइनल मुकाबला 85 रनों से जीत कर खिताब अपने नाम किया। गवर्नेंट ग्रुप में भोपाल पुलिस ने 9 विकेट खोकर 128 रन बनाए। डीजीपी इलेवेन के गेंदबाज विपिन सुस्ते ने 4 ओवर में 39 रन देकर 5 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीजीपी इलेवेन के बल्लेबाज निशांत खरे ने 27 गेंद पर 56 रन, विनय वर्मा ने 27 गेंद पर 42 रन की मदद से 11.5 ओवर में ही मात्र 2 विकेट खोकर 129 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया।

कार्पोरेट ग्रुप में ये रहे बेस्ट

बेस्ट विकेट कीपर का खिताब इलाइट क्रिकेट क्लब के अभिजीत पारुलकर को दिया गया। बेस्ट फील्डर का खिताब सतीश अहिरवार को दिया गया। बेस्ट बॉलर का खिताब आरएनटीय के गेंदबाज राहुल शिंदे आठ विकेट को दिया गया। बेस्ट बैट्समैन का खिताब भोपाल स्ट्राइकर के बल्लेबाज संजय मानिक 229 रन को दिया गया। बेस्ट कैच का खिताब आरएनटीयू ऋत्विक चौबे को दिया गया। मैन ऑफद टूर्नामेंट का खिताब आरएनटीयू भोपाल के सागर शुक्ला 201 रन और 6 विकेट को दिया गया। इमर्जिंग प्लेयर का खिताब आरएनटीयू भोपाल के विशाल कुमार को दिया गया।

लेवानडोवस्की के दो गोलों की दम पर जीता बायर्न

बुंदेसलीगा: लेपजिग को 3-2 से शिकस्त दी

बर्लिन । रॉबर्ट लेवानडोवस्की के 21वें मैच में 24वें गोल की मदद से बायर्न म्यूनिख ने यहां लेपजिग को 3-2 से हराकर बुंदेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट के शीर्ष पर अपनी बढ़त को नौ अंक तक पहुंचा दिया। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए ब्रेक से पहले पोलैंड के स्टार लेवानडोवस्की हेर्था बर्लिन के खिलाफ बायर्न की 4-1 की जीत के दौरान गोल नहीं कर पाए थे।

बायर्न को 12वें मिनट में थॉमस म्यूलर ने बढ़त दिलाई लेकिन आंद्रे सिल्वा ने 27वें मिनट में लेपजिग को बराबरी दिला दी। लेवानदोवस्की ने 44वें मिनट में स्कोर 2-1 किया लेकिन लेपजिग ने 53वें मिनट में क्रिस्टोफर निकुंकु के गोल की बदौलत दोबारा बराबरी हासिल कर ली। बायर्न ने हालांकि लेपजिग के योस्को ग्वार्डियोल के आत्मघाती गोल से 58वें मिनट में 3-2 की बढ़त बनाई जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। बायर्न के इस जीत से 21 मैच में 52 अंक हो गए हैं और उसने दूसरे स्थान पर मौजूद बोरूसिया डोर्टमंड पर नौ अंक की बढ़त बना ली है जिसके 20 मैच में 43 अंक हैं। अन्य मुकाबलों में बोरूसिया मोनशेंग्लाबाख को आर्मेनिया बेलफेल्ड ने 1-1 से बराबरी पर रोका जबकि यूनियन

बर्लिन को आग्सबर्ग के खिलाफ 2-0 से शिकस्त झेलनी पड़ी। फ्राइबर्ग को कोलोन ने 1-0 से हराया। एंट्रैक्ट फ्रेंकफर्ट को स्टुटगार्ट में 3-2 से जीत मिली जबकि मेंज ने होफेनहीम को 2-0 से शिकस्त दी।

कैमरून ने पेनल्टी शूट आउट में तीसरे स्थान का प्ले ऑफ मैच जीता

कैमरून ने 0-3 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए बुर्किना फासो के खिलाफ अफ्रीकन कप आफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट का तीसरे स्थान का प्ले ऑफ मुकाबला 3-3 से बराबर किया और फिर पेनल्टी शूट आउट में 5-3 से जीत दर्ज की। इससे कैमरून की फाइनल में जगह नहीं बना पाने की निराशा तो कम नहीं होगी लेकिन टीम ने कम से कम शनिवार को टूर्नामेंट का अंत जीत के साथ किया। बुर्किना फासो ने स्टीव यागो (24वें मिनट) और जिब्रिल अुआटारा (49वें मिनट) के गोल के अलावा 43वें मिनट में आंद्रे ओनाना के आत्मघाती गोल से 49वें मिनट तक 3-0 की बढ़त बना ली थी और ऐसा लग रहा था कि कैमरून की हार निश्चित है। स्टीफन बेहोकेन और विन्सेंट अबुबाकर ने हालांकि इसके मेजबान टीम को जोरदार वापसी दिलाई।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना के पिता का निधन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना के पिता का निधन हो गया है। उनके पिता त्रिलोकचंद रैना कैंसर से पीड़ित थे। रविवार, 6 फरवरी को उनका निधन हो गया। वह एक सैन्य अधिकारी थे। वह आयुध फैक्ट्री में काम किया करते थे और बम बनाने में उनकी महारत थी। उनका निधन गाजियाबाद स्थित आवास पर हुआ। रैना के पिता का पैतृक निवास जम्मू-कश्मीर का रैनावारी था। 1990 के दशक में जब घाटी में कश्मीरी पंडितों का नरसंहार होने लगा तो वह परिवार के साथ मोदीनगर शिफ्ट हो गए थे। रैना के पिता की सैलरी 10 हजार रुपये थी और वह उनके क्रिकेट कोचिंग का खर्च नहीं उठा सकते थे। रैना ने 1998 में लखनऊ के गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज में दाखिला लिया था। रैना ने कहा था वह इस बात का पूरा ध्यान रखते थे कि वह अपने पिता से घाटी की दुखद घटनाओं का जिक्र न करें।

लैंगर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मांगी माफी

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने अपने इस्तीफे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से माफी मांगी है। रिपोर्ट के अनुसार लैंगर ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया के कोच के रूप में उन्होंने जो हासिल किया है, उस पर उन्हें गर्व है। लेकिन अगर वरिष्ठ खिलाड़ियों, कुछ सहयोगी स्टाफ और बोर्ड ने उनका समर्थन नहीं किया, तो उन्होंने इस्तीफा देना ही ठीक समझा कुछ दिनों के सस्पेंस के बाद, लैंगर ने ऑस्ट्रेलिया की टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया, क्योंकि शुक्रवार उनके अनुबंध में छह महीने के विस्तार को कम कर दिया गया था। शनिवार को लैंगर अपने होम टाउन पर्थ पहुंच गए, जहां वह अपने परिवार के साथ फिर से जुड़ने से पहले 14 दिनों तक क्वारंटाइन में रहेंगे। लैंगर ने कहा, पिछले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट कोच के रूप में मेरे भविष्य को लेकर मीडिया में काफी अटकलें लगाई जा रही थीं और इससे मेरे परिवार पर भारी असर पड़ा है। मुझे उम्मीद है कि मैंने अपने कार्यकाल में ईमानदारी से काम किया। उन्होंने आगे कहा, मुझे ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के अंत के साथ एक अल्पकालिक अनुबंध की पेशकश की गई थी। सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद मैंने इस अनुबंध के नवीनीकरण को स्वीकार नहीं करने का फैसला किया है और अब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के लिए अगला अध्याय तुरंत शुरू करना सभी के हित में होगा। लैंगर ने बताया, कई वरिष्ठ खिलाड़ी और कुछ सहयोगी स्टाफ ने मेरा समर्थन नहीं किया और अब यह स्पष्ट है कि सीए बोर्ड, और निक हॉकले टीम के लिए दूसरा कोच लाने के लिए उत्सुक हैं। मैं उस निर्णय का सम्मान करता हूं। मेरा जीवन ईमानदारी, सम्मान, विश्वास, सच्चाई और प्रदर्शन के मूल्यों पर बना हुआ है और अगर मैंने कुछ गलत किया हो तो मैं माफी मांगता हूं।

मर्सिडीज ने की लुईस हैमिल्टन की वापसी की पुष्टि

लंदन । मर्सिडीज ने पुष्टि की है कि फॉर्मूला वन स्टार लुईस हैमिल्टन इस साल फिर से रेस के मैदान में नजर आएंगे। सात बार के विश्व चैंपियन ने सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए कहा, मैं चला गया था। लेकिन अब मैं वापस आ गया हूं। हैमिल्टन के सोशल मीडिया पोस्ट की प्रतिक्रिया में मर्सिडीज ने आई एम बैक कैप्शन के साथ पोस्ट साझा की। यास मरीना में अपनी पी2 योग्यता का जश्न मनाने से एक तस्वीर पोस्ट करने के बाद 11 दिसंबर से हैमिल्टन सोशल मीडिया से अनुपस्थित हो गए थे। अब उनका भविष्य आगे जाने की ओर अग्रसर है। कुछ लोग पहले सुझाव दे रहे थे कि वह संन्यास ले लेंगे और उस खेल को छोड़ देंगे, जिस पर उनका कई वर्षों से प्रभुत्व रहा है। हैमिल्टन 2021 में एफ वन खिताब से चूक गए थे, क्योंकि मैक्स वेरस्टैपेन ने विवादास्पद परिस्थितियों में पुरस्कार को अपने नाम कर लिया था।

चीन ने कोरिया को 3-2 से हराकर नौवीं बार खिताब जीता

नई दिल्ली। दो गोल से पिछड़े रहने होने बावजूद चीन ने रविवार को यहां के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए एएफसी महिला एशिया कप इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट रिपीट टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए कोरिया रिपब्लिक को 3-2 से हरा कर खिताब जीत लिया। कोरिया रिपब्लिक ने चोए यू-री द्वारा 27वें मिनट में किए गए गोल की मदद से 1-0 की लीड ली और फिर इंजरी टाइम में पेनल्टी पर गोल करते हुए जी सोन-युन ने स्कोर 2-0 कर दिया। लगा कि कोरिया रिपब्लिक टीम इसके बाद इस स्कोर को बचाते हुए अपना पहला खिताब जीत लेगी लेकिन हुआ कुछ अलग। चीन के लिए जियाली टांग, लिनयान झांग और जियाओ युयी ने गोल करते हुए अपनी टीम को नौवां खिताब दिला दिया।अपने नौवें रिकार्ड की मंशा के साथ फाइनल में पहुंची चीन की टीम ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी करते हुए 68वें मिनट में हासिल पेनल्टी पर गोल करते हुए अपना खाता खोला। उसके लिए यह गोल जियाली टांग ने किया और फिर 72वें मिनट में गोल कर लिनयान झांग ने स्कोर 2-2 कर दिया।

पीकेएल-8 : टेबल टॉपर बने पाइरेट्स

बेंगलुरु। तीन बार के विजेता पटना पाइरेट्स ने अपने हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 98वें मैच में मौजूदा चैम्पियन बंगाल वॉरियर्स को 9 अंकों से हराकर अंक तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया है। राइवलरी वीक के तहत खेले गए इस मुकाबले में पटना ने बंगाल को 38-29 से हराया।पटना की 16 मैचों में यह 11वीं जीत है जबकि बंगाल को 17 मैचों में नौवीं हार मिली है। पटना के लिए सचिन तंवर (11) और गुमान सिंह (7) ने रेड में कमाल किया तो मोहम्मदरेजा शादलू ने डिफेंस में कमाल करते हुए लगातार तीसरा हाई-5 पूरा किया। दो बार आलआउट होने वाले बंगाल के लिए । मनोज गौड़ा को 9 अंक मिले जबकि ऑलराउंडर मोहम्मद नबीबक्श ने 8 अंक लिए बंगाल का डिफेंस इसमें पूरी तरह नाकाम रहा। उसके खाते में सिर्फ 3 अंक आए जबकि पटना के डिफेंस ने 11 अंक लिए। बंगाल के स्टार मनिंदर नहीं चले। वहीं एक अन्य मुकाबले में गुजरात जाएंट्स ने बेंगलुरू बुल्स को 40-36 से हराया।

बोपन्ना-रामकुमार की जोड़ी ने जीता टाटा ओपन का खिताब

पुणे। भारत के रोहन बोपन्ना और रामकुमार रामनाथन की जोड़ी ने रविवार को यहां टाटा ओपन महाराष्ट्र के फाइनल में ल्यूक सैविल और जॉन-पैट्रिक स्मिथ की शीर्ष वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को हराकर अपना दूसरा एटीपी विश्व टूर खिताब जीता। भारतीय जोड़ी ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 44 मिनट तक चले मुकाबले को 6-7(10) 6-3 10-6 से अपने नाम किया। बोपन्ना और रामकुमार ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले एडिलेड स्पर्धा में पहली बार एटीपी टूर पर जोड़ी के रूप में जीत दर्ज की थी। बोपन्ना के करियर का यह 21 वां एटीपी युगल खिताब है जबकि रामकुमार के लिए यह इस स्तर पर यह दूसरी ट्रॉफी है। इस खिताब से रामकुमार अपने करियर में पहली बार युगल में शीर्ष -100 रैंकिंग में पहुंचेंगे।

आईसीसी अंडर-19 मोस्ट वैल्यूबल टीम के कप्तान बने यश धुल

टीम में भारत के तीन खिलाड़ियों को मिली जगह

दुबई। भारत अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान यश धुल को रविवार को टूर्नामेंट की आईसीसी मोस्ट वैल्यूबल टीम का कप्तान बनाया गया है। धुल के अलावा ऑलराउंडर राज बावा और गेंदबाज विक्की ओस्तवाल को टीम में शामिल किया गया है। 12 खिलाड़ियों की मजबूत लाइन अप में आठ देशों के खिलाड़ियों को जगह मिली है।

टीम में भारत में तीन खिलाड़ी शामिल हैं। धुल के अलावा बावा ने भी पूरे विश्व कप में प्रभावित किया है। उन्होंने युगांडा के खिलाफ नाबाद 162 रन बनाए और टूर्नामेंट में 252 रन बनाए। ऑलराउंडर इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच थे। उन्होंने 31 रन देकर पांच विकेट लिए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया था। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल नौ विकेट हासिल किए। टीम में विक्की ओस्तवाल को भी जगह मिली है, जिन्होंने छह मैचों में 12 विकेट लिए। इसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 28 रन देकर लिए गए पांच विकेट शामिल हैं।

आईसीसी अंडर19 मोस्ट वैल्यूबल टीम: हसीबुल्लाह खान (विकेटकीपर), टीग वायली, डेवाल्ड ब्रेविस, यश धुल (कप्तान), टॉम प्रेस्ट, दुनिथ वेलालेज, राज बावा, विक्की ओस्तवाल, रिपन मोंडोल, अवैस अली, जोश बॉयडेन और नूर अहमद।

पीएम मोदी ने टीम को बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम की सराहना करते हुए कहा कि शीर्ष स्तर पर उनका शानदार प्रदर्शन दर्शाता है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। मोदी ने ट्वीट किया,हमारे युवा क्रिकेटरों पर बेहद गर्व है। आईसीसी अंडर-19 विश्व कप जीतने के लिए भारतीय टीम को बधाई। प्रधानमंत्री ने लिखा, पूरे टूर्नामेंट के दौरान उन्हें गजब का साहस दिखाया। शीर्ष स्तर पर उनका शानदार प्रदर्शन दर्शाता है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित और सक्षम हाथों में है। बीसीसीआई ने बताया की अंडर-19 विश्व विजेता टीम का स्वागत अहमदाबाद में किया जाएगा।

बीसीसीआई हर सदस्य को देगा 40-40 लाख रुपए

बीसीसीआई ने भारतीय अंडर-19 टीम के खिताब जीतने के बाद हर खिलाड़ी 40 लाख और हर सहयोगी स्टाफ को 25 लाख का नकद इनाम देने की घोषणा की है। भारत के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने ट्वीट किया, अंडर 19 टीम और सहयोगी स्टाफ और चयनकर्ताओं को विश्व कप जीतने के लिए बधाई। हमारे द्वारा 40 लाख के नकद पुरस्कार की घोषणा प्रशंसा का एक छोटा सा प्रतीक है, लेकिन उनके प्रयास मूल्य से परे है। सचिव जय शाह ने भी टीम को बधाई दी।

बच्चों के वैक्सीनेशन के लिए चला महाअभियान

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शिक्षकों ने योजना बनाई, भारत रत्न लता मंगेशकर को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रखर वाराणसी। कोविड से बच्चों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा वैक्सीनेशन कराया जा रहा है। 15 साल से ऊपर के समस्त सहायता प्राप्त तथा परिषदीय विद्यालयों के ऐसे बच्चे जिनकी उम्र 15 साल से ऊपर है उनके लिए वैक्सीनेशन का विशेष गया। यह महा अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक शत-प्रतिशत बच्चों का वैक्सीनेशन ना हो जाए। हेतु प्रेरित करने के लिए गांव-गांव घर-घर पर शिक्षक पहुंचकर मतदाताओं से संपर्क किया तथा उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित कर रहे हैं तथा प्रत्येक परिवार से मतदान करने हेतु संकल्प पत्र तथा शपथ पत्र भी भरवाया गया। मुक्त अभियान की समीक्षा खंड शिक्षा अधिकारी बृजेश कुमार राय ने की कथा इस कार्य में लगे समस्त शिक्षकों को लगातार अभियान में लगे रहने के लिए निर्देशित किया। इसके पहले बीआरसी पर उपस्थित समस्त शिक्षकों एवं

बच्चों को वैक्सीन लगाकर उनको कुवैत से सुरक्षित करने का महा अभियान गतिमान है इसी क्रम में सोमवार को चोलापुर ब्लाक में सभी मान्यता प्राप्त अभियान चलाया गया जिसमें अवश्य बच्चों को प्रथम डोज तथा जिन बच्चों की वैक्सीनेशन की अवधि पूरी हो गई थी उन्हें दूसरे डोज से आच्छादित किया

इसके साथ ही आगामी चुनाव में मतदान का प्रतिशत अधिकतम रहे इस हो तू स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाताओं को जागरूक करने तथा मतदान कर्मचारियों के द्वारा भारत रत्न लता मंगेशकर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके विशिष्ट कार्यों को याद किया गया।

ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन जनपद इकाई बलिया की बैठक

बलिया। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन जनपद इकाई बलिया की एक अहम बैठक बहेरी बलिया स्थित पार्टी के प्रभारी मोहम्मद शमीम खान के आवास पर संपन्न हुई इसमें पार्टी के सभी पदाधिकारियों ने एकजुटता का आह्वान किया भागीदारी परिवर्तन मोर्चा चयनित कैंडिडेट को सदन में भेजने के लिए संकल्प लिया बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य व बलिया,मऊ,गाजीपुर के प्रभारी मोहम्मद शमीम खान ने कहा कि भागीदारी परिवर्तन मोर्चा उत्तर प्रदेश में एक मजबूत विकल्प है,दलितों, पिछड़ो,अल्पसंख्यकों ने बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी साहब के नीतियों में विश्वास रखते हुए ए आई एम आई एम पार्टी को सत्ता में लाने का मन बना लिया है अवसर पर पद के प्रमुख जिम्मेदार मौजूद रहे मुख्य रूप से आबिद अली, इशितयाक अहमद, मोहम्मद आसिफ, सद्दाम हुसैन,अहमद रजा, इमरान खान, मोहम्मद नसीम खान,इरफान अहमद, शब्बीर अहमद,इमरान अहमद, कालिका प्रसाद,मुदस्सिर अंसारी,फरीद अहमद मुराद,इसराफेल अहमद, सनाउल्लाह खान,रिजवान अहमद, अजमल भाई, राकेश कुमार गुप्ता,नियाज अहमद, नईमउल हक अंसारी,जितेंद्र कुमार, राम कुमार राजभर,छोटन राजभर, पवन राजभर,अहमद रजा, शाहीन आलम, रईस अहमद, अशफाक अहमद, रईस अहमद, मोहम्मद आसिफ, आदि लोग मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता शमशेर आलम ने किया व संचालन महताब आलम ने किया।

उर्वरक दूकानों पर छापेमारी, संदिग्ध पाए जाने पर उर्वरक के पाँच और कृषि रसायन के दो नमूने ग्रहित

बलिया। जिला कृषि अधिकारी विकेश पटेल ने बताया कि बिहार के छपरा बॉर्डर पर आज औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सीमावर्ती पुलिस और जिला कृषि अधिकारी एवं जिला कृषि रक्षा अधिकारी की टीम द्वारा जयप्रकाश नगर , सीवान टोला एवं दलन छपरा की उर्बरक दुकानों पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान अंकित खाद भंडार , जय बजरंगबली खाद भंडार , राज खाद भंडार , किसान सेवा केंद्र , विश्वनाथ सिंह खाद भंडार , शक्ति धाम खाद भंडार , कुशवाहा खाद भंडार , जय मां वैष्णो खाद भंडार , बाबा खाद भंडार , जगत खाद भंडार , ओम ट्रेडर्स ,आदित्य ट्रेडर्स की दुकानों पर उर्वरक के स्टाक का मिलान किया गया , साथ ही संदिग्धता की स्थिति में उर्वरक के 5 नमूने एवं कृषि रक्षा के दो नमूने ग्रहित किये गए तथा जांच हेतु प्रयोगशाला में भेजने की कार्रवाई की गई। सीमावर्ती छेत्रों के दुकानदारों को बिशेष निर्देश दिए गए है कि अन्य राज्यो को उर्वरक की आपूर्ति कदापि न करे अन्यथा तत्काल संज्ञान लेकर FCO की धाराओं के अंतर्गत एफआईआर की कार्यवाही की जाएगी। किसान भाई आधार नम्बर और जोत बही के माध्यम से उर्बरक की खरीद अपनी आवश्यकता के अनुसार कर सकते है और उर्बरक संबंधी किसी भी समस्या के निस्तारण हेतु जनपद स्तर पर उर्वरक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जिसका मोबाइल नंबर 7839882474 है ।

पुलिस टीम ने लाखों रुपये की अवैध शराब के साथ 6 लोगों को किया गिरफ्तार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर पुलिस, एसओजी , स्वाट टीम व आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में नकली शराब अवैध, रैपर, खाली सीसी अन्य निमार्ण सामग्री बरामद करने के साथ 6 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । बरामद की गई अवैध शराब की कीमत लाखों रुपये में बताई जाती है । बताया जाता है कि फूलपुर थाना प्रभारी मुन्ना राम, एसओजी प्रभारी अश्वनी कुमार चतुर्वेदी, स्वाट प्रभारी मनीष कुमार मिश्रा तथा आबकारी निरीक्षक रमेश यादव चुनाव के तहत क्षेत्र में गश्त पर थे तभी मुखबीर की सूचना मिली की फूलपुर बाजार निवासी अरविंद चौरसिया के घर पर नकली शराब बनाने के साथ उसकी आपूर्ति सरकारी देसी शराब के दुकान पर होती है। सूचना पर टीम मुखबीर को उसके घर के पास तक ले गए। बताए गए स्थान से भारी मात्रा में शराब बनाने की उपकरण, यूरिया, नकली क्यूआर कोड बरामद किया। वही टीम को देखकर भागते समय आरोपित को धर दबोचा, उसके बाद अभियुक्त से पूछताछ के आधार पर भोपापुर थाना चोलापुर निवासी सूरज जायसवाल व संदीप जायसवाल तथा पूर्व ग्राम प्रधान प्रभुनारायण मौर्य और उसके पुत्र अवधेश मौर्य निवासी राजपुर थाना सिंधोरा तथा शुभम मौर्य निवासी फुलवरिया थाना कैंट को उसके घर व दुकान से अवैध शराब भारी मात्रा में नकली शराब बरामद की। यही नहीं देसी शराब की दुकान प्रहलादपुर व हीरामनपुर दुकान से भी नकली शराब बरामद हुई। पुलिस टीम के मुताबिक 94 शीशी अवैध शराब, 9033 शीशी वैध शराब, देसी पौवे की 927 नकली ढक्कन, 1111 नकली क्यूआर कोड , 55 लीटर स्प्रिट , एक एल्कोमीटर, दो बोतल केरोमल, एक परखनली, 2 किलो यूरिया बरामद की। गिरफ्तार अभियुक्तो को धारा 419, 420, 467, 468, 471 व 272 तथा आबकारी एक्ट की धारा 60, 62, 64 के तहत गिरफ्तार कर अभियुक्तों को जेल भेज दिया।

मतदाता जागरूकता के लिए जेसीआई जौनपुर व रेडक्रास सोसाइटी ने लगाया स्काई बैलून

प्रखर जौनपुर। जेसीआई जौनपुर के अध्यक्ष डा0 संदीप पाण्डेय और रेडक्रास सोसाइटी के सचिव डा0 मनोज वत्स के संयुक्त प्रयास से रोडवेज परिसर में लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक स्काई बैलून लगाया गया। संस्था द्वारा किये गये इस कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष वर्मा के हाथों किया गया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने जेसीआई जौनपुर व रेडक्रास सोसाइटी के इस प्रयास की सराहना किया साथ ही बताया कि प्रजातंत्र में हर व्यक्ति को एक ही मत देने का अधिकार प्राप्त है, इसलिये सबको अपने अधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिये। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सामाजिक व्यक्तियों से यह अपील किया कि आप भी अपने आस-पास के लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करें। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मण्डलाध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने बताया कि जेसीआई विश्व के युवाओं की सबसे बड़ी संस्था है और सदैव समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करती है। रेडक्रास के सचिव डा. मनोज वत्स ने भी लोगों से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान करें। स्वीप कोआर्डिनेटर सै. मो. मुस्तफा, निवर्तमान अध्यक्ष गौरव सेठ, पूर्व अध्यक्ष धर्मेन्द्र सेठ, कृष्ण कुमार जायसवाल, राकेश जायसवाल, शशांक सिंह ने भी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डा. संदीप पाण्डेय ने मुख्य अतिथि जिलाधिकारी का स्वागत करते हुये बताया कि यदि सभी लोग मतदान के महत्व को समझेंगे तभी एक सुयोग्य सरकार आ सकती है। इस कार्यक्रम में नीरज श्रीवास्तव, रमेश श्रीवास्तव, आशुतोष जायसवाल, सर्वेश जायसवाल, दिलीप सिंह, प्रदीप सिंह, आरिफ अंसारी, दिलीप जायसवाल, सत्य प्रकाश जायसवाल, अतुल जायसवाल, भरत सेठ, शिवेन्द्र सेठ, रवि सिंह, जनार्दन पाण्डेय, दीपक बाधवा, रंजीत सिंह, सौरभ बरनवाल, विपिन विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हफीज शाह व सचिव प्रदीप जायसवाल ने संयुक्त रूप से किया। अन्त में कार्यक्रम संयोजक शनि सेठ ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

सरस्वती पूजा के अवसर पर जाकिर हुसैन ने बच्चों में बांटी का कापी, किताब व पेंसिल

बलिया। सरस्वती पूजा समारोह के शुभ अवसर पर महाबीर घाट पर डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम बाल शिक्षा समिति के प्रबंधक एवं सामाजिक कार्यकर्ता जाकिर हुसैन ने हमेशा की भांति 100 गरीब व कमजोर परिवार के बच्चों में पुस्तकें एवं कॉपी, कलम, मिष्ठान वितरित करने का कार्य किया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता जाकिर हुसैन ने कहा कि सरकार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति ऐसी बनानी चाहिए कि सभी वर्गों के बच्चों को एक समान शिक्षा मिल सके और निशुल्क एडमिशन पुस्तकें एवं अन्य पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध हो । साथ ही उन्होंने मांग किया कि सरकार द्वारा ऐसा प्रबंध किया जाए कि प्रत्येक प्राइवेट स्कूलों की पुस्तकें बदली ना जाए क्योंकि पुस्तके बदलने से गरीब छात्रों की माली स्थिति और खराब होती जाती है।साथ ही उन्होंने सरकार से मांग किया कि ऑनलाइन पठन-पाठन न किया जाए क्योंकि गरीबों के पास पढ़ने के लिए लैपटॉप टैबलेट व मोबाइल की कमी है। इससे गरीब छात्र और भी कमजोर हो रहे हैं। यह सरकार अगर चाहती है कि ऑनलाइन शिक्षण को बढ़ावा मिले तो सबसे पहले गरीब गुरबे में तकनीकी गैजेट्स की निशुल्क उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर छोटे गुप्ता, विक्रांत जायसवाल, सर्वदमन जायसवाल, सोनी, सूरज, अभिषेक, समेत दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

मड़िहान में हाथी की सवारी जंगल में ही नहीं बस्तियों में भी

प्रखर मिजार्पुर। बहुजन समाज पार्टी से नरेंद्र सिंह कुशवाहा मड़िहान विधानसभा क्षेत्र के मुद्दों को देंगे धार मड़िहान विधानसभा में धीरे धीरे जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है वैसे-वैसे स्थानीय मुद्दे सतह पर निकलने लगे हैं, और लोगों की जुबान पर आने लगी है। तमाम स्थानीय समस्याओं को भी अब विभिन्न राजनीतिक दल चुनावी मुद्दा भी बनाते दिखाई दे रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी के घोषित प्रत्याशी पूर्व सांसद नरेंद्र सिंह कुशवाहा ने भी लोगों के बीच बैठकर अपनी पैठ बनाना शुरू कर दिया है। जानकारों की माने तो नरेंद्र सिंह कुशवाहा पूर्व सांसद पहले से ही मड़िहान विधानसभा क्षेत्र में अपनी जमीन तैयार करने में लग गए थे।

पार्टी के द्वारा समय रहते उनके प्रत्याशी की घोषणा के बाद नरेंद्र सिंह कुशवाहा को और बल मिल गया । जानकार मानते हैं कि पर्याप्त समय मिलने का संपूर्ण लाभ नरेंद्र सिंह कुशवाहा लेने के लिए इस वक्त डोर टू डोर लोगों के घरों तक पहुंचने में बिना पल गंवाए लोगों की समस्या सुनने में दिखाई दे रहे हैं । उनके साथ चलने वाले लोग डायरी और कलम लेकर लोगों की समस्या सुनते ही नोट करते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों की माने तो लोगों का भरोसा नरेंद्र सिंह कुशवाहा पर इसलिए भी बनता दिख रहा है क्योंकि तमाम ऐसे कई जमीनी मुद्दे हैं जिसकी चर्चा निरंतर नरेंद्र सिंह कुशवाहा करते आ रहे हैं। उनका मानना है कि यदि उनको स्थानीय लोगों ने मौका दिया तो कई स्थानीय समस्या को वह जड़ से उखाड़ कर फेंक देंगे । पत्रकार वार्ता के दौरान नरेंद्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि मड़िहान विधानसभा क्षेत्र के कई ऐसे स्थानीय लोगों के घरों का स्वामित्व ना होने से उनको काफी परेशानियों का सामना उठाना पड़ रहा है । कई ऐसे बस्ती है जहां लोग कई पीढ़ी से रह रहे हैं लेकिन उनको खसरा खतौनी उपलब्ध न होने के चलते कहीं धारा 30 से प्रभावित होने के नाते कहीं धारा 6 में प्रभावित होने के नाते अपने घरों में रहने के बावजूद भी वह मालिकाना हक से दूर है, जिसके चलते तमाम मानसिक प्रताड़ना और मानसिक उलझनों का सामना स्थानीय लोगों को करना पड़ता है ।उन्होंने बताया कि जातीय प्रमाण पत्र ना जारी करने की दशा में भी कई बिरादरी के लोग काफी परेशान हैं । जनता पूरी तरीके से वर्तमान व्यवस्था से त्रस्त है हालांकि वर्तमान व्यवस्थाओं से भी उत्पन्न हो रही समस्या भी इस बार मुख्य चुनावी मुद्दा स्थानीय स्तर पर बन सकता है वर्तमान समय में अन्य दलों के भी घोषित और अघोषित संभावित प्रस्तावित प्रत्याशी भी घेराबंदी करना शुरू कर दिए है। बहुजन समाज पार्टी ने मड़िहान विधानसभा क्षेत्र में अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा किए जाने के बाद मड़िहान विधानसभा में पूर्व सांसद नरेंद्र सिंह कुशवाहा की सक्रियता से लोग अब बदलाव की बयार को भी इनकार नहीं कर पा रहे हैं।

राधा-कृष्ण मूर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा

कृष्णेश्वर धाम सिहौली में दिन भर रहा भक्तिमय माहौल

प्रखर केराकत जौनपुर। राधा-कृष्ण की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर सोमवार को दिन भर सिहौली में कृष्णेश्वर धाम मंदिर परिसर में भक्ति पूर्ण माहौल बना रहा। पूर्व निर्धारित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर विश्वकर्मा मंदिर समिति के अध्यक्ष दिलीप विश्वकर्मा के नेतृत्व में भगवान राधा-कृष्ण की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि विधान के साथ किया गया। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुख्य यजमान दिलीप विश्वकर्मा और इन्दू विश्वकर्मा थे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिरुद्ध विश्वकर्मा ने की। इस मौके पर अनीता विश्वकर्मा, रतन विश्वकर्मा और अजय विश्वकर्मा ने उत्कृष्ट भजन प्रस्तुत कर कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं की जमकर तालियां बटोरी। इन कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भजन कार्यक्रम में घंटों भक्ति की सरिता में गोता लगाते रहे। देर शाम श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर पुजारी विशुनदास, सुबास विश्वकर्मा, नन्दलाल विश्वकर्मा, बृजेश विश्वकर्मा, दारा विश्वकर्मा, रामासरे विश्वकर्मा, सत्यनारायण विश्वकर्मा, सूरज यादव, राजेन्द्र यादव आदि रहे। कार्यक्रम के आए हुए अतिथियों का स्वागत केतन विश्वकर्मा ने किया।

संक्षिप्त खबरें

मोटरसाइकिल के आमने-सामने की भिड़ंत में दो घायल एक रेफर

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर सोमवार के दिन दो बाइक के टक्कर में दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए वही एक रेफर किया गया प्राप्त जानकारी के अनुसार अहरौरा थाना क्षेत्र निवासी गोलू पुत्र स्व0 अनिल उम्र 16 वर्ष निवासी महुली अमित पुत्र कल्लू उम्र 20 वर्ष निवासी महुली गम्भीर रूप से घायल हो गए दोनों युवक कुछ काम से बरबकपुर गये हुए थे घर को वापस लौटते समय वाराणसी शक्ति नगर मार्ग पर बरबकपुर के पास ही पीछे से बाइक सवार टक्कर मार दिया सूचना पाकर मौके पर पहुची पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आई अमित पुत्र कल्लू को गम्भीर चोट होने के कारण डॉक्टरों ने ट्रामसेन्टर वाराणसी रेफर किया।

अज्ञात बदमाशों ने युवक पर किया चाकू से वार

प्रखर जौनपुर। जिले के बक्शा थाना क्षेत्र के खुशहूपुर गांव निवासी युवक को अज्ञात बदमाशों ने रविवार रात चाकू से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सड़क पर तड़प रहे लहूलुहान युवक को देख स्थानीय ग्रामीणों ने अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। खुशहूपुर गांव निवासी सुनील कुमार पाल (22) पुत्र राजबहादुर रात करीब नौ बजे रोज की तरह पैदल ही गांव के सरहदी गांव केवटली कला तक गया था। सुनील जब वापस आ रहा था, तभी पीछे से पहुंचे दो अज्ञात युवकों ने सुनील पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर बुरी तरह से घायल कर भाग निकले। सड़क पर गिरकर तड़प रहे सुनील की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों ने उसके घर और पुलिस को सूचना दी। आनन-फानन घायल को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार करते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। घायल युवक के सिर, गर्दन, पेट, पीठ व पैर में करीब दर्जनभर स्थानों पर चाकू से वार के निशान हैं। उपनिरीक्षक मनोज सिंह ने घायल युवक से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि पूछताछ के आधार पर आरोपियों की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है।

पुलिस ने गौ-तस्करी में चार को किया गिरफ्तार

रसड़ा (बलिया)। पुलिस अधीक्षक बलिया राज करन नय्यर के आदेश के अनुपालन मे अपराध नियत्रंण व वांछित तथा इनामिया अपराधियों के गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना रसड़ा पुलिस टीम द्वारा ग्राम सरायभारती चट्टी से 04 अभियुक्तों के कब्जे से एक अदद वाहन पिकअप नं0 इफ03 ऋ6419 पर लदे 04 राशि गोवंश गाय बरामद करने का दावा किया गया है । पुलिस ने इस सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-41/2022 धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधनियम पंजीकृत कर अभियुक्तगण सन्द्रेश कुमार पुत्र श्यामबिहारी व उमानाथ पुत्र सुबास निवासीगण ग्राम नागपुर थाना रसड़ा बलिया तथा अभिषेक कुमार पुत्र छोटेलाल निवासी चितबड़ागाँव व कृष्ण कुमार सिंह पुत्र विजय बहादुर सिंह निवासी गांव कलना कन्झारी थाना चितबड़ागांव जनपद बलिया को मौके ग्राम सरायभारती चट्टी से गिरफ्तार करना बताया गया है । पुलिस ने उक्त सभी अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है । पुलिस के मुताबिक इस गिरफ्तारी में रसड़ा थाना के उ0नि0औरंगजेब खान, हे0का0 जितेन्द्र पाण्डेय , का0 राहुल कुमार यादव शामिल रहे ।

अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलटी पिकअप बाल-बाल बचे मौजूद लोग व गाड़ी का चालक

सिकन्दरपुर (बलिया)। इलाके के करमौता गांव के पास से गुजर रही एक पिकअप रविवार को अनियंत्रित होकर पलट गयी। संयोग से इस घटना में आसपास के मौजूद लोग व चालक सुरक्षित बच गये। दुर्घटना के बाद ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बेल्थरा रोड की ओर से एक पिकअप तेज रफ्तार से सिकन्दरपुर की ओर आ रही थी। बेल्थरा रोड सिकन्दरपुर मार्ग पर स्थित करमौता गांव के पास से गुजरते वक्त पिकअप अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गयी। तेज आवाज के साथ हुई इस घटना के बाद जब तक आसपास के लोग मौके पर पहुंचे चालक गाड़ी से निकलकर भाग चुका था। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के पास ठेला लगता है तथा वहां पर हर वक्त कुछ लोग मौजूद रहते हैं। हालांकि संयोग ठीक था कि घटना के वक्त मार्ग पर ठेला नहीं लगा था। खबर पाकर पहुंची पुलिस नें लोगों की मदद से गाड़ी को सीधा कराने के बाद बाहर निकलवाया। इस दौरान क्षेत्रीय लोगों की काफी भीड़ भाड़ लगी रही। पुलिस का कहना है कि मामले की छानबीन की जा रही है।

भारी जनसमर्थन के बीच मां जलपा का आशीर्वाद लेकर निवर्तमान विधायक नें किया नामांकन पर्चा दाखिल

सिकन्दरपुर (बलिया)। फूलों में खुशबूओं की नगरी कहे जाने वाले विधानसभा क्षेत्र सिकदरपुर के निवर्तमान विधायक व भाजपा प्रत्याशी संजय यादव सोमवार की सुबह हजारों कार्यकताओं संग सर्वप्रथम विधानसभा क्षेत्र के करमौता स्थित भगवान शंकर के मंदिर में मत्था टेक कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद निवर्तमान विधायक का काफिला सिकन्दरपुर नगर चौक स्थित मां जलपा के मंदिर हेतु निकल पड़ा। मां जलपा मंदिर पहुंचने के उपरांत निवर्तमान विधायक संजय यादव ने पूरे विधि विधान के साथ मां जलपा की आराधना कर उनका आशीर्वाद लिया। इस बीच सड़क मार्ग पर विभिन्न जगहों पर भाजपा कार्यकताओं ने गर्म जोशी के साथ निवर्तमान विधायक को फूल माला पहनाकर पुनः जीत की बधाई व शुभकामनाएं दिया। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं द्वारा "आ रहे हैं भगवाधारी, राजतिलक की करो तैयारी, सिकन्दरपुर की यही पुकार, संजय यादव फिर एक बार, के नारों से पूरे नगर को गुंजायमान कर दिया। मुख्य बस स्टैंड पर चौराहे पर एकत्रित सैकड़ों कार्यकताओं का अभिवादन स्वीकार करने के उपरांत निवर्तमान विधायक व भाजपा प्रत्याशी संजय यादव का काफिला बलिया कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हो गया।

भाजपा ने रविन्द्रनाथ और दीनानाथ को दोबारा चुनावी जंग में उतारा

भदोही से रविंद्रनाथ और औराई सुरक्षित से दीनानाथ बने भजपा उम्मीदवार, भजपा और सपा में एक बार फिर सीधे मुकाबले के लिए जमींन तैयार

प्रखर भदोही। भाजपा ने एक बार फिर अपने वर्तमान विधायकों पर भरोसा जताया है। पार्टी ने भदोही विधानसभा और औराई सुरक्षित से उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। भदोही से रविंद्रनाथ त्रिपाठी और औराई (सुरक्षित) से दीनानाथ भास्कर को दोबारा उम्मीदवार बनाया गया है। हालांकि अभी ज्ञानपुर विधानसभा सीट पर कोई फैसला नहीं हो पाया है। समझा जा रहा है निषाद पार्टी से गठबंधन की वजह से वह सीट उलझन में फंसी है।

पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्र की घर वापसी के बाद यह कयास लगाए जा रहे थे कि भदोही या ज्ञानपुर से रंगनाथ मिश्रा को भाजपा टिकट दे सकती है। टिकट की घोषणा न होने से समर्थकों में संशय की स्थिति बनी थी। क्योंकि 10 फरवरी से भदोही में चुनाव की अधिसूचना जारी होगी। जिसकी वजह से पार्टी समर्थक उलझन में थे। लेकिन आखिरकार पार्टी ने उम्मीदवारों की घोषणा कर सभी अटकलों पर

विराम लगा दिया। जनपद की तीन विधानसभा सीटों में दो की स्थिति साफ हो गई है जबकि ज्ञानपुर की स्थित उलझी है। हालांकि रंगनाथ मिश्रा की भाजपा में घर वापसी से पार्टी की स्थिति बेहद मजबूत होगी।

भदोही विधायक रविंद्रनाथ त्रिपाठी को भाजपा ने दूसरी बार चुनावी मैदान में उतारा है। 2017 के विधानसभा चुनाव में रविंद्र नाथ त्रिपाठी को 33 फीसदी से अधिक वोट हासिल हुए थे। उन्हें कुल 79519 मत मिले थे जबकि उनके निकटतम उम्मीदवार समाजवादी पार्टी के जाहिद जमाल बेग को 32 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल हुए थे। बेग को 78414 वोट मिले थे। रविंद्रनाथ त्रिपाठी समाजवादी उम्मीदवार जाहिद बेग से बेहद कड़े मुकाबले में जीत हासिल की थी। उन्होंने कुल 1105 मतों से विजय हासिल की थी। जबकि तीसरे पायदान पर पूर्व मंत्री एवं बसपा उम्मीदवार रंगनाथ मिश्र थे। तकरीबन 24 फीसदी वोट हासिल हुए थे। कुल 56,555 वोट उन्हें मिले थे। उस समय रंगनाथ मिश्र बहुजन समाज पार्टी में थे लेकिन हाल ही में उन्होंने भाजपा में घर वापसी की है।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर अपने बेहद करीबी और विश्वासपात्र जाहिद बेग पर दूसरी बार भरोसा जताया है। भदोही में रविंद्रनाथ त्रिपाठी और जाहिद बेग के बीच कड़ा मुकाबला है। सत्ता और विकास कार्यों का लाभ रविंद्र नाथ त्रिपाठी को कितना मिल पाता है यह देखना होगा। फिलहाल अभी बहुजन समाज पार्टी अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। बसपा की तरफ से अधिकृत उम्मीदवार आज आने के बाद ही स्थिति साफ होगी। फिलहाल भदोही की सभी सीटों पर सीधा मुकाबला भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच ही रहेगा। सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस कहीं दिख नहीं रही है। अभी तक उसने सभी सीटों पर अपना उम्मीदवार भी घोषित नहीं किया है।

भाजपा औराई (सुरक्षित) विधानसभा से पूर्व मंत्री दीनानाथ भास्कर को दूसरी बार अपना उम्मीदवार बनाया है। 2017 में यहां दीनानाथ भास्कर का सीधा मुकाबला समाजवादी पार्टी की मधुबाला पासी से था। दीनानाथ भास्कर को यहां 83325 वोट मिले थे जिसका फीसद 40.44 था। उन्होंने 19779 वोटों से जीत हासिल किया था। समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मधुबाला पासी को 30.84 फिसदी यानी कुल 63,546 वोट मिले जबकि बसपा के बैजनाथ गौतम तीसरे नंबर पर रहे। उन्हें कुल 99059 वोट यानी 23.81 फिसदी वोट हासिल हुए। फिलहाल जनपद में अभी मुख्य राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवारों की पूरी तरह से घोषणा नहीं की है। संभावना जताई जा रहा है कि अधिसूचना जारी होने के पहले सभी दल अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर देंगे।

आरपीएन सिंह का साखोपार में भव्य स्वागत

प्रखर कुशीनगर। भाजपा में शामि ल होने के बाद आरपीएन सिंह के प्रथम कुशीनगर आगमन पर भाजपा नेता अभय प्रताप नारायण सिंह के नेतृत्व में साखोपार स्थित उनके कैंप कार्यालय पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता अभय प्रताप नारायण सिंह ने श्री सिंह को साफा बांध व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया, समर्थकों ने फूल माला से लाद दिया तथा गगनभेदी नारे लगाए गए। इस अवसर पर अभय प्रताप नारायण सिंह के अलावा अजय प्रताप नारायण सिंह पीयूष प्रताप नारायण सिंह, ग्राम प्रधान शैलेश प्रताप नारायण सिंह, एडवोकेट कुशल प्रताप नारायण सिंह, रमेश पांडेय संजय कुमार दुबे संजय कुमार सिंह कौशल किशोर सिंह बाल्मीकि चौबे मणि कंचन चौबे चंद्रभूषण पांडे कृष्ण मोहन पांडे शैलेष पांडे रामविलास यादव, सत्येंद्र विक्रम सिंह, पूर्व प्रधान जयराम प्रसाद लड्डू वर्मा, त्रिपुरेश प्रताप नारायण सिंह शशांक प्रताप सिंह सत्यम सिंह सून्दरम सिंह, भुवनेश सिंह सुराजदेव सिंह, पुष्कर सिंह, मनोज कुमार सिंह रहे।

वीआईपी प्रत्याशी पप्पू भारती को फोन पर मिली धमकी

प्रखर केराकत जौनपुर । केराकत (सु)विधानसभा से विकासशील इंसान पार्टी के प्रत्याशी पप्पू भारती को अज्ञात फोन पर गाली गलौज देते हुए मारने की धमकी दी गई।धमकी

चुनाव न लड़ने को लेकर दी गयी धमकी

मिलने पर समर्थों के साथ पप्पू भारती ने केराकत कोतवाली में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाते हुए मीडिया से बताया कि मेरी पत्नी मौजूदा जिला पंचायत सदस्य है और मैं विकासशील इंसान पार्टी से केराकत विधानसभा से चुनाव लड़ रहा हूँ मुझे लगातार चुनाव न लड़ने को लेकर बार बार कहा जा रहा था हद तो तब हो गयी जब सोमवार की दोपहर मेरे नम्बर पर अज्ञात फोन आया और मुझसे गाली गलौज देते हुए चुनाव न लड़ने के साथ पैसो की गर्मी उतारने की बात कहते हुए मारने की धमकी दी।मैंने कोतवाली में अज्ञात फोन को लेकर तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई।पुलिस मामले को संज्ञान में लेकर अज्ञात फोन की जांच पड़ताल में जुट गए।

पर्चा बांटकर भाजपा को हराने की हुई अपील

प्रखर गाजीपुर। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को जय किसान आंदोलन के स्वंयसेवकों ने कलेक्ट्रेट परिसर में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में , किसानों के साथ विश्वासघात के लिए दोषी भाजपा को सजा देने की अपील की। इस मौके पर संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा जारी अपील की प्रतियां वितरित की गई। भाजपा के गढ़ माने जाने वाले गाजीपुर सदर विधानसभा में अधिवक्ताओं , किसानो , मजदूरों व महिलाओं से भाजपा को वोट की चोट देकर हराने की अपील की गई।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ० एम खालिद, स्वराज इण्डिया के जिला अध्यक्ष रमेश यादव, जय किसान आंदोलन के अश्वनी कुमार यादव , एडवोकेट धर्मचंद यादव, कमलेश राजभर

,परमानंद चौहान, एडवोकेट प्रवीण कुमार, शोभनाथ व अन्य शामिल रहे। कलेक्ट्रेट में अधिवक्ताओं के चेंबर में जाकर किसान मोर्चा द्वारा जारी पर्चा बांटकर भाजपा को सजा देने की अपील की गई।

वक्ताओं ने तमाम जनसभाओं के दौरान किसानों के साथ विश्वासघात के अलावा नोटबंदी और कोरोनाकाल में जनता को कष्ट झेलने के लिए लाचार करने, महंगाई, बेरोजगारी, भुखमरी के लिए दोषी भाजपा को सजा देने की बात दोहरायी।

भागीदारी पार्टी (पी) के प्रांतीय कार्यालय का हुआ उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भागीदारी पार्टी (पी) प्रांतीय कार्यालय का उद्घाटन अवलेशपुर वाराणसी में हुआ सम्पन्न`पूर्वांचल प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार प्रजापति की अध्यक्षता मे कार्यालय का नीव रखा गया जिसके मुख्य अतिथि थे भागीदारी पार्टी (पी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापति के कर कमलों द्वारा किया गया` साथ में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पुनवासी राम प्रजापति, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैप्टन राजकुमार प्रजापति ,मंडल अध्यक्ष डॉ राम गोविंद प्रजापति, वाराणसी जिलाध्यक्ष श्री अशोक कुमार प्रजापति, व्यापार प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रशांत सिंह, जिला उपाध्यक्ष पप्पू प्रजापति, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अश्वनी प्रजापति, प्रदेश उपाध्यक्ष आईटी सेल श्री पंकज प्रजापति, प्रदेश सचिव आईटी सेल श्री हरीश चंद्र प्रजापति, प्रदेश सचिव श्री योगेश कुमार प्रजापति, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र कुमार प्रजापति, चंदौली जिलाध्यक्ष श्री सोमनाथ प्रजापति, चंदौली महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती रेनू प्रजापति, लीगल सेल के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजू वकील, लीगल सेल के मंडल अध्यक्ष श्री जमुना प्रजापति, गाजीपुर जिला अध्यक्ष श्री आदर्श प्रजापति,

बलिया जिला अध्यक्ष श्री लीलाधर प्रजापति, रोहनिया विधानसभा अध्यक्ष श्री शिव कुमार प्रजापति, शिवपुर विधानसभा अध्यक्ष श्री शिव प्रकाश प्रजापति, सेवापुरी विधानसभा अध्यक्ष श्री राजेश बीडीसी, सेवापुरी ब्लॉक अध्यक्ष श्री संदीप कुमार प्रजापति इत्यादि तमाम भागीदारी पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मेरे बढ़ते जनाधार से विपक्षी परेशान- डॉक्टर के के गुप्ता

प्रखर कुशीनगर। राष्ट्रीय युवा शक्ति संघ के संस्थापक एवं संरक्षक तथा तमकुही राज विधानसभा 331 से वीआईपी पार्टी से विधायक पद के युवा प्रत्याशी डाक्टर के के गुप्ता ने कहा कि जनता के बीच मेरी बढ़ती लोकप्रियता से विपक्षी पार्टियां एवं विपक्षी प्रत्याशियों के खेमे में बौखलाहट है` मेरे बढ़ते जनाधार को देखकर वे अनाप-शनाप बयान बाजी कर रहे हैं और कुछ फर्जी समाजसेवी मेरे खिलाफ जनता को बरगलाने का प्रयास कर रहे हैं,जिससे जनता बखूबी वाकिफ है` किसी प्रकार का घिनौना काम हमारे परिवार या मेरे द्वारा कभी किया ही नहीं जा सकता है,चाहे मैं समाजसेवी रहूं या ना रहूं। मेरी व मेरी पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में जनता भलीभांति परिचित है` चाहे कोई भी मामला हो या किसी आम जनता का विपक्ष के पास आज कोई मुद्दा ही नहीं बचा है` जिसको लेकर वह जनता के बीच में जाए।

सेनापुर शहीद स्तम्भ के राष्ट्रीय ध्वज को आधा झुकाया गया

स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर दो दिन का राष्ट्रीय शोक, देश में गम का माहौल

प्रखर केराकत जौनपुर । रविवार की सुबह एक ऐसी खबर आई जिनसे सिर्फ भारत ही नही बल्कि पूरी दुनिया के माहौल को गमगीन कर दिया।पिछले कई दिनों से मुम्बई के ब्रीच कैंडी अस्पताल मे भर्ती लता मंगेशकर का निधन हो गया लता मंगेशकर को फिल्मफेयर,3 नेशनल अवार्ड सहित भारत रत्न व दादासाहेब फाल्के के अलावा कई पुरस्कारों से नवाजा गया।रविवार की देर शाम को शिवाजी पार्क में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया,भरत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर सरकार ने दो दिनों का राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है जिसके चलते राष्ट्रपति भवन व संसद के राष्ट्रीय ध्वज को आधा झुकाने के साथ साथ सरकार ने सभी राज्य सरकारों को दो दिन का राष्ट्रीय शोक व राष्ट्रीय ध्वज को दो दिनों तक झुकाने के निर्देश दिए इसी क्रम में स्थानीय क्षेत्र के सेनापुर गॉव में 23 क्रांतिकारियों की याद में बना शहीद स्मारक के प्रांगण के शहीद स्तम्भ पर शहीदो के शहादत के सम्मान में फहर रहे राष्ट्रीय ध्वज को रविवार की देर शाम को ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अनिल चौहान, हल्का लेखपाल ब्रम्हनाथ कौशिक व ग्रामीणों की मौजूदगी में दो दिनों के राष्ट्रीय शोक पर आधा झुका दिया गया।मौजूद सभी लोगों ने शहीद स्तम्भ पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रख स्वर कोकिला लता मंगेशकर को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। गौरतलब हो कि 9 साल की उम्र से ही संगीत की दुनिया मे कदम रखने वाली लता मंगेशकर ने अपने जीवन मे अगल अलग भाषाओं के साथ तकरीबन पचास हजार गाने गायें।लता मंगेशकर के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश व दुनिया के सभी लोगो ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए बताया कि लाता दी का जाना संगीत की दुनिया की सबसे बड़ी क्षति है।स्वर कोकिला लता दी की आवाज को भारत सहित पूरी दुनिया युगों युगों तक याद रखेगा।

समाजावादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी की जिला कार्यकारिणी घोषित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी के अर्दली बाजार स्थित जिला कार्यालय पर समाजवादी बाबा साहब वाहिनी के जिला-वाराणसी की जिला कार्यकारिणी घोषित की गयी एवं नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनय पत्र का वितरण किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव श्री आर0के0 गौतम एवं विशिष्ट अतिथि अजय प्रकाश राजू राष्ट्रीय सचिव अम्बेडकर वाहिनी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। घोषित कार्यकारिणी के पदाधिकारी के रूप में महासचिव राकेश पॉल, उपाध्यक्ष राजवीर सिंह राज,उतरी विधानसभा अध्यक्ष संदीप चौरसिया, राजकुमार यादव पप्पू, सन्तोष कन्नौजिया, जितेन्द्र सोनकर जीतू, शिव हंस गौतम एवं सचिव सतीश गौड़, विकास पटेल, मजानू राम शास्त्रीय डॉ० सुनील कुमार यादव, विनोद

यादव, पिन्टू सोनकर, शशिकान्त सोनकर, विनोद कुमार मौर्य, शोएब अहमद एवं कार्यकारिणी सदस्य के यप में आशीष कुमार भारद्वाज, राजू सोनकर, रवि कुमार यादव, आकाश वर्मन, विवेक श्रीवास्तव, प्रकाश चन्द्र यादव, चन्द्रशेखर मौर्य, बबलू पासी, राजन गौड़, बाबू सोनकर, सतीश कुमार राम को नियुक्त किया गया साथ ही पाँच विधान सभा अध्यक्ष क्रमशः रविशंकर पटेल, सेवापुरी, लक्ष्मन यादव शिवपुर, कमरूद्दीन रोहनिया, सुनील कुमार पिण्डरा, एवं मनोहर गौड़ को अजगरा विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया गया ` कार्यक्रम में मुख्य रूप से मोती लाल यादव, वरुण सिंह, डॉ० भारत भूषण यादव, डॉ० अजय चौधरी आदि लोग उपस्थित रहे` कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्री नत्थू लाल सोनकर एवं संचालन डॉ० अजय चौधरी ने किया।

पॉकेट सिनेमा गेमिंग और मनोरंजन का एक अनोखा प्लेटफार्म है - अंशुमन सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। Zapped टेक्नोलॉजी प्रस्तुत करते हैं पॉकेट सिनेमा एक मजेदार ऐप है जिसमें मनोरंजन के साथ-साथ दर्शकों को एक आसान सा गेम खेलने को मिलता है। इस गेम के विजेता पाते हैं इनाम। छोटे शहरों को ध्यान में रखते हुए इस गेम को इस तरह से बनाया गया है कि सबके लिए आसान हो और सबका मनोरंजन करे। हर वो व्यक्ति जिसके पास स्मार्टफोन हो और इंटरनेट कनेक्शन हो वह आसानी से इस गेम को खेल सकता है। पॉकेट सिनेमा गेमिंग और मनोरंजन का एक अनोखा प्लेटफार्म। कैटेगरी को नाम दिया है जी ओ टी टी जो बना है गेमिंग और ओटीपी मिलाकर। कोविड के इस दौर ने हमारे काम करने के तरीके बदल दिए। घर बैठे काम, घर से ही स्कूल। हम लोग इस दौर में टीवी और फोन पर बहुत कुछ देखते आए हैं। अब अगर यही हमारे पैसे कमाने का साधन बन जाए तो कैसा रहे? इसमें करना यह है कि सिनेमा की तरह अपने पसंद का एक शो चुनें, उसकी एक छोटी सी कीमत पर टिकट खरीदें, टाइम होने पर शो देखें। शो के बाद आपसे कुछ सवाल पूछे जाएंगे, यदि आप उन सवालों का जवाब सही देते हैं तो आप विजेता लिस्ट में शामिल होंगे और कुछ पैसे जीतेंगे। इनमें जिन ने सबसे कम समय में जवाब सही जवाब दिए हैं उन्हें ज्यादा रकम मिलेगी और देर से सही जवाब देने वालों को थोड़ी कम, पर जीतेंगे सभी। जीती हुई रकम अपने बैंक अकाउंट में तुरंत डाली जा सकती है। पॉकेट सिनेमा के फाउंडर और सीईओ, अंशुमन सिंह और अनिल वर्मा का विचार है कि गेमिंग को बहुत मुश्किल कर देने से आम जनता उस का मजा नहीं ले पाती। पॉकेट सिनेमा के लॉन्च से सभी छोटे शहरों के लोगों को पैसे कमाने का एक नया साधन मिल जाएगा। अभी पॉकेट सिनेमा भोजपुरी और हिंदी में उपलब्ध हैं और जल्दी ही पंजाबी, मराठी, तमिल, तेलुगू ,कन्नड़ और मलयालम में भी लांच किए जाएगा। यह ऐप प्ले स्टोर से डाउनलोड की जा सकती है।

संक्षिप्त खबरें

जिम कर लौट रहे बाइक सवार युवकों को डम्फर ने मारी टक्कर युवक घायल

प्रखर कछवां रोड वाराणसी। स्थानीय थाना अंतर्गत डंगहरिया गांव के समीप हाइवे पर जिम कर के बाइक से लौट रहे राजेश पाल उम्र 27 वर्ष और विजय पाल 38 वर्ष निवासी शिवरामपुर जिम कर के अपने घर लौट रहे थे।लौटते समय डम्फर ने पीछे से आकर टक्कर मारी जिससे वह लोग हाइवे से सटे नाले में जा गिरे जिससे उनको गंभीर चोटे आयी स्थानिय लोगों ने आननफानन में एम्बुलेंस को सूचना दिए और ट्रामा सेंटर भेज दिए।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना वाराणसी परिवार के लोगों ने महाराजा सुहेलदेव की मनाया जयंती

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बसंत पंचमी के दिन वीर शिरोमणी क्षत्रिय सम्राट सुहेलदेव जी की 1013 वी जयंती वाराणसी परिवार द्वारा मनायी गई। वाराणसी परिवार के कई सदस्यगण और पदाधिकारियों ने महाराज सुहेलदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया साथ ही राष्ट्रीय एवं समाज हित के लिए सही रास्ते पर चलते हुए कार्य करने का संकल्प भी सभी ने लिया। करणी परिवार के तरफ से ओमप्रकाश सिंह (महाराष्ट्र उपाध्यक्ष), आलोक कुमार सिंह (जिला अध्यक्ष), सुधीर सिंह संगम (प्रभारी/प्रवक्ता), रामाश्रय सिंह (महामंत्री), दुष्यंत सिंह (सचिव), अखिलेश्वर सिंह (प्रवक्ता), शिव प्रताप सिंह (विधानसभा अध्यक्ष, चिरईगांव), राजेश सिंह (विधानसभा अध्यक्ष, अजगरा), पुरषोत्तम सिंह, राजन सिंह,दीनानाथ सिंह, शिव प्रकाश सिंह, बबलू सिंह, अतुल सिंह, राहुल सिंह, आनंद विनय सिंह व अन्य सदस्यगण और पदाधिकारियों की उपस्थिति साम तक होती रही।

आल इंडिया रेलवे शु-शाईन वर्कर्स यूनियन और अम्बेकर युवा क्लब संघ की बैठक हुई सम्पन्न

प्रखर पूर्वान्चल रोहतास। रोहतास(सासाराम) जिला,कोचस प्रखड, लहेरी गांव में संत शिरोमणी रविदास जयंती समारोह को लेकर रविदास मंदिर परिसर में आल इंडिया रेलवे शु-शाईन वर्कर्स यूनियन और अम्बेकर युवा क्लब संघ की बैठक हुई सम्पन्न अध्यक्षता चंदन ने की संचालन विक्रमा कुमार ने किया बैठक में निर्णय लिया गया कि कोरोना प्रोटोकोल का अनुपालन करते हुए हुए आगामी माघी पूर्णिमा को संत शिरोमणी रविदास का जयंती समारोह का आयोजन किया जायेगा। मौके पर मंत्री, सांसद, विधायक जिला परिषद आदि अतिथियों को आमंत्रित करने और लोगों की सहभागिता आदि पर विस्तार से चर्चा किया गया। अंत में चंदन कुमार जिला अध्यक्ष रोहतास ने कहा 16 फरवरी 2022 दिन बुधवार समय 6 बजे शाम को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा` समारोह में आने वाले सभी अतिथियो को मंच पर सम्मानित किया जाएगा और रात में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। किसान कुमार , लवकुश कुमार ,विनय कुमार , प्रीतम कुमार ,राहुल कुमार , विकास कुमार ,मिथलेश कुमार ,प्रधान कुमार , गोल्डेन कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा ने नगर के कर्मठ कार्यकर्ता अमीन कुरैशी को बनाया

प्रखर रामनगर वाराणसी। जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा ने नगर के कर्मठ कार्यकर्ता अमीन कुरैशी को बनाया रामनगर अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष।सभासद अशरफ राईन के घर पर समाजवादी पार्टी की एक बैठक में उनके मनोयन की घोषणा की गई।अध्यक्ष बनने पर पूर्व सभासद श्यामलाल यादव, सजंय यादव, जवाहर लाल मौर्य, सभासद मणिशंकर शर्मा राजू सोनकर, नगर अध्यक्ष मलिक यादव,छात्र सभा के प्रदेश सचिव अरशद राईन, पिछड़ा वर्ग के प्रदेश सचिव विवेक कहार, सभी लोगो ने उनके मनोयन पर बधाई दिया।

सरदार कुलदीप सिंह के आवास पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में लोगों ने अपने उदगार व्यक्त किये

प्रखर रामनगर वाराणसी। स्वर कोकिला संगीत की देवी भारत रत्न से सम्मानित लता दीदी के संसार को अलविदा कह सदा के लिए चिर निद्रा में लीन हो गई। पंजाबी महासभा एवम् रामनगर के गणमान्य लोगों ने इसे संगीत जगत ही नहीं पुरे विश्व की अपुर्वणिय छति बताया।पंजाबी महासभा के प्रदेशाध्यक्ष काशी रत्न सरदार कुलदीप सिंह के आवास पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में लोगों ने अपने उदगार व्यक्त किये।लता दीदी के सहज और सरल स्वभाव और देश प्रेम के गाये उनके द्वारा गीत , रक्षा बन्धन के गीत कृष्ण जी पर गाये गीतो को याद किया गया। श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से सरदार परमजीत सिंह, हैप्पी सिंह,डा मोईन सदानंद यादव बलराम पांडेय अभय त्रिपाठी राजकुमार एडवोकेट संयोग सिंह कमलेश जयसवाल सुरेन्द्र सिंह आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं